राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 29 जून 2024 वर्ष–7,अंक–156 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

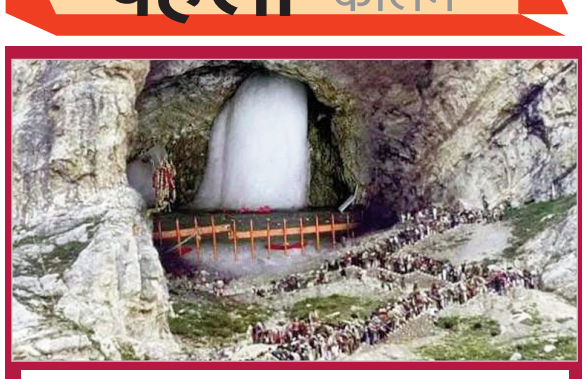

कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा पर जम्मू से पहला जत्था रवाना

जम्मू। कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा पर जम्मू से पहला जत्था रवाना हुआ है।जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर यहां से रवाना किया। पहला सुरक्षा काफिला सुबह 5.45 बजे बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ, जबकि दूसरा काफिला सुबह 6.20 बजे नुनवान (पहलगाम) आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। तीर्थयात्री या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग से या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से पवित्र गुफा तक पहुंचते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग उसी दिन पूजा करने के बाद वापस लौट आते हैं। इस वर्ष 52 दिवसीय तीर्थयात्रा 19 अगस्त को सावन की पूर्णिमा के दिन रक्षाबंधन पर समाप्त होगी। यात्रा को सुचारू और निर्बाध बनाने के लिए तीर्थयात्रा मार्गों, दोनों आधार शिविरों और मंदिर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। दोनों मार्गों पर तीर्थयात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं। इस साल यह पवित्र अमरनाथ गुफा की यात्रा 52 दिन तक चलेगी। भजन-कीर्तन के बीच 4,603 तीर्थयात्रियों का जत्था दो सुरक्षा काफिलों में यहां भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ। पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस मौके पर मौजूद थे।

24 साल के कार्यकाल में कभी भी राजनीतिक दबाव का सामना नहीं किया

-सीजेआई बोले-हमारे कई फैसलों का समाज पर गहरा असर पड़ता है

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत के चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ ने विधायिका के किसी भी हस्तक्षेप की आशंका को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने कभी राजनीतिक दबाव का सामना नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जज के रूप में अपने 24 साल के कार्यकाल में उन्हें कभी भी किसी सरकार की ओर से किसी राजनीतिक दबाव का सामना नहीं करना पड़ा। एक कार्यक्रम में बोले हुए सीजेआई कहा कि भारत में जजों को मुकदमों में भावनाओं के बजाय संवैधानिक व्यवस्था पर आधारित स्थापित परंपराओं को ध्यान में रखते हुए फैसले लेने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। उन्होंने कहा यदि आप मुझसे राजनीतिक दबाव, सरकार के दबाव के बारे में पूछेंगे तो मैं आपको बताना चाहता हूं कि 24 सालों से मैं न्यायाधीश हूं और मुझे सत्ता पक्ष की ओर से कभी भी राजनीतिक दबाव का सामना नहीं करना पड़ा। हम जिन लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हैं, उनमें यह भी शामिल है कि हम सरकार के राजनीतिक अंग से अलग-थलग जीवन जीते हैं। उन्होंने कहा कि जज अकसर अपने फैसलों के सामाजिक प्रभाव के बारे में सोचते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे कई फैसलों का समाज पर गहरा असर पड़ता है। जजों के रूप में मेरा मानना है कि यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपने फैसलों के सामाजिक व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूक रहें।

हेमंत सोरेन को राहत....मिली जमानत

रांची । झारखंड उच्च न्यायालय ने भूमि घोटाला मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत दे दी है। बता दें कि साढ़े आठ एकड़ जमीन की अवैध तरीके से खरीदारी करने के मामले में ईडी ने सोरेन को बीते 31 जनवरी को आठ घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद से सोरेन जेल में बंद हैं। मामले में अब तक कुल 23 लोगों को गिरफ्तार किया है। सोरेन ने मामले में झारखंड हाई कोर्ट में जमानत की याचिका दायर की थी, इसपर 13 जून को सुनवाई पूरी करने के बाद जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

बस पर आतंकी हमले के बाद वैष्णो देवी के दर्शन करने कम पहुंच रहे श्रद्धालु

-सरकार ने किए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, सीसीटीवी कैमरों से रखी जा रही नजर

नई दिल्ली। पिछले दिनों श्रद्धालुओं की बस पर हुए आतंकी हमले के बाद माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट आई है। पहले रोज करीब 50 से 55 हजार श्रद्धालु आते थे लेकिन कटरा में आतंकी हादसे के बाद से श्रद्धालुओं की संख्या घटकर 25 से 30 हजार रह गई है। वहीं, अब 29 जून से अमरनाथ यात्रा भी शुरू हो रही है। तीर्थ यात्रियों का पहला जत्था आज कश्मीर पहुंचेगा। यात्रा को लेकर सरकार ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। आतंकी गतिविधि पर कड़ी नजर रखने के लिए पूरे मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। उधर, सरकार ने माता वैष्णो देवी जाने वाले मार्गों पर भी सुरक्षा बढ़ा दी है। इस बीच सरकार और श्राइन बोर्ड ने भी अपील की है कि वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालु बिना किसी डर के आएं। श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट के बाद कटरा मेन बाजार में ग्राहकी धीमी है। भक्तों की रौनक कम ही दिखाई दे रही है। एक दुकानदार का कहना है कि आतंकी हमलों के बाद दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी कम है। खरीदारी के लिए आने वाले लोग भी नहीं आ रहे हैं। जून माह में छुट्टियां होने के कारण हर साल लाखों श्रद्धालुओं बड़ी संख्या यहां पहुंचते थे लेकिन आंतकी हमले से लोग डरे हैं और इस कारण बाजार की रौनक खत्म हो गई है।

दिल्ली में 88 साल बाद जून में 228 एमएएम बारिश

बंगलों से बस्ती तक, सडक़ों से स्लम तक, हर जगह पानी ही पानी, माननीयों के बंगलों में भी जलजमाव

-दो महीनों तक अफसरों की छुट्टियां कैंसिल, बनेगा इमरजेंसी कंट्रोल रूम... रेस्क्यू प्लान तैयार

नई दिल्ली ।

दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार-शुक्रवार को भारी बारिश की वजह से सडक़ों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए। सडक़ों पर 4 से 5 फीट पानी भरने से कारें डूब गईं। सडक़ों पर नाव चलीं और कई इलाकों में ट्रैफिक प्रभावित हुआ। यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 मेट्रो स्टेशन के एंट्री और एग्जिट गेट भी बंद कर दिए गए। दिल्ली में 88 साल बाद जून महीने में एक दिन में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। इससे पहले जून 1936 में 24 घंटे में 235.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बारिश के बाद स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को इमरजेंसी कंट्रोल रूम बनाने और जलभराव की समस्या को दूर करने के आदेश दिए। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्टेटिक पंप लगाए जाएं। इमरजेंसी मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए एलजी सक्सेना ने छुट्टी पर गए सभी वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत ड्यूटी पर लौटने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उपराज्यपाल ने अगले 2 महीने तक अधिकारियों की छट्टियां भी कैंसिल कर दी हैं। दिल्ली-एनसीआर में बारिश से राहत मिली है तो दूसरी तरफ सडक़ों से लेकर घरों तक में पानी भरने से वीवीआईपी तक की टेंशन बढ़ गई है। लुटियंस दिल्ली में सांसदों और मंत्रियों के बंगलों में पानी भर गया है। कई जगह रातभर बिजली गायब रही और लोगों को अंधेरे में रात काटनी पड़ी। सुबह नेता जब संसद सत्र में शामिल होने के लिए घरों से निकले तो हालात से जूझते देखे गए हैं। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी से लेकर सपा सांसद रामगोपाल यादव, प्रोटेम स्पीकर रहे भर्तृहरि महताब, कांग्रेस सांसद तारिक अनवर और नीति आयोग के मेंबर विनोद कुमार पॉल के बंगले में भी जलजमाव देखा गया है। लुटियंस दिल्ली को वीवीआईपी इलाका माना जाता है। यहां बारिश के बाद घरों में पानी भरने से नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के कामों की पोल खुल गई है। इधर, राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश के बाद कई इलाकों में यातायात ठप होने के बाद दिल्ली सरकार अलर्ट मोड में आई है। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार दोपहर दो बजे एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। सचिवालय में होने वाली मीटिंग में सभी कैबिनेट मंत्री और शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। बारिश के कारण दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा गिर गया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। सफदरजंग मौसम केंद्र ने 153।7 मिमी बारिश दर्ज की है। सुबह करीब 3 बजे शुरू हुई और 6 घंटे तक पानी गिरता रहा। दिल्लीवासियों ने पानी से भरी सडक़ों पर जलमग्न वाहनों और लंबे ट्रैफिक जाम के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 की छत गिरी, 1 की मौत 6 घायल

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा गिर गया। जिसकी चपेट में आकर कई कारें दब गईं। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है जबकि छह लोग घायल हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

घटना को लेकर डायल के प्रवक्ता ने कहा, आज सुबह से ही भारी बारिश की वजह से दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 के पुराने डिपार्चर फोरकोर्ट में कैनोपी का एक हिस्सा सुबह 5 बजे के आसपास नीचे गिर गया। हादसे में लोगों के घायल होने की खबर है। इमरजेंसी कर्मचारी प्रभावित लोगों को सभी आवश्यक सहायता और चिकित्सा सहायता देने का काम कर रहे हैं। इस घटना की वजह से, टर्मिनल-1 से सभी डिपार्चर अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिए गए हैं। एहतियातन चेक-इन काउंटर बंद कर दिए गए हैं। हम इस परेशानी के लिए खेद व्यक्त करते हैं और किसी भी असुविधा के लिए माफी मांगते हैं।

दिल्ली फायर ब्रिगेट के एक अधिकारी ने बताया, सुबह करीब 5.30 बजे हमें दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर छत गिरने की सूचना मिली। दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है। शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में हुई भारी बारिश के बीच यह हादसा हुआ। इसी बीच, दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव देखा गया। साउथ दिल्ली में गोविंदपुरी और नोएडा सेक्टर 95 में जलभराव देखने को मिला। दिल्ली की सड़कों पर पानी भर गया है। वहीं आईटीओ पर बारिश की वजह से गाड़ियां रेंगती हुई दिखी। वही दूसरी तरफ हादसे की केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री खुद निगरानी कर रहे हैं। मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने एक्स पर लिखा, मैं व्यक्तिगत रूप से दिल्ली एयरपोर्ट के टी-1 पर छत गिरने की घटना की निगरानी कर रहा हूं। घटनास्थल पर बचाव दल काम कर रहे हैं। साथ ही एयरलाइनों को टी-1 पर सभी प्रभावित यात्रियों की सहायता करने की सलाह दी है।

घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

युवाओं का विषय.....नीट पर संदन में चर्चा होनी चाहिए : राहुल गांधी

बिरला ने कहा आप विपक्ष के नेता परपंरा का पालन करे

नई दिल्ली । (एजेंसी)

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा, गुरुवार को सभी विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक हुई और उसमें सर्वसम्मति बनी कि शुक्रवार को हमें नीट के विषय पर चर्चा चाहिए। हमें लगा कि सदन में नीट पर चर्चा होनी चाहिए। मैं प्रधानमंत्री से अनुरोध करता हूं कि ये युवाओं का विषय है और इस पर सही तरीके से चर्चा होनी चाहिए और ये सम्मानजनक चर्चा होनी चाहिए... संसद से ये संदेश जाना चाहिए कि भारत सरकार और विपक्ष मिलकर छात्रों की बात कर रहा है। राहुल गांधी ने भी नीट पर चर्चा कराने की मांग कर सदन में कहा कि नीट पर चर्चा के जरिए वे हिंदुस्तान के विद्यार्थियों को सरकार और विपक्ष की तरफ से संयुक्त संदेश देना चाहते हैं।

लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नियमों का हवाला देकर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान स्थगन प्रस्ताव के नोटिस नहीं लिए जाते। उन्होंने राहुल गांधी से संसदीय व्यवस्था का पालन करने का आग्रह कर कहा कि आप विपक्ष के नेता हैं और इसलिए आप संसदीय व्यवस्था का पालन करें ऐसी अपेक्षा है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू ने कहा

भरोसा रखिए.....सारे एयरपोर्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर की जांच करा रहा हूं

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 पर शुक्रवार सुबह डिपार्चर फोरकोर्ट पर कैनोपी गिरने की घटना के बाद केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि देश के सभी एयरपोर्ट पर इंफ्रास्ट्रक्चर की जांच होगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। दिल्ली हवाई अड्डे पर स्थिति की समीक्षा के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा, आज टर्मिनल-1 पर सुबह 5 बजे बेहद दुःखद घटना हुई। भारी बारिश की वजह से टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा गिर गया। उन्होंने कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि इस बहुत गंभीर घटना के रूप में लिया गया है। न केवल इस पर एयरपोर्ट की, बल्कि पूरे देश में जितने भी एयरपोर्ट हैं, हम उन सभी की फिर से जांच कर रहे हैं। दरअसल इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार तड़के हुए हादसे में कैनोपी का एक हिस्सा खड़ी कारों पर गिर गया, इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा, टर्मिनल-1 से जो भी उड़ानें संचालित हो रही हैं, उन्हें टर्मिनल 2 और टर्मिनल 3 पर स्थानांतरित कर दिया गया है। टर्मिनल 2 और टर्मिनल 3 पर जरूरी व्यवस्थाएं

की जा रही हैं, ताकि यात्रियों को किसी तरह की असुविधा न हो। हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने बताया कि हादसे की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल टर्मिनल 1 से सभी उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। सुरक्षा की दृष्टि से चेक-इन काउंटर बंद कर दिए गए हैं।

प्रति व्यक्ति आय में महाराष्ट्र पिछड़ा, विधानसभा चुनावों में बन सकता है मुद्दा

-तेलंगाना पहले नंबर पर तो कर्नाटक और हरियाणा भी आगे

मुंबई। (एजेंसी)

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के पहले दिन आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया गया। इसमें देश में प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना जहां शीर्ष पर है तो वहीं महाराष्ट्र छठें स्थान पर आ गया है, वहीं गुजरात, महाराष्ट्र से आगे है। आर्थिक सर्वेक्षण में सामने आई यह तस्वीर आगामी चुनावों में महायुति सरकार के घटक दलों के लिए सिरदर्द बन सकती है। लोकसभा चुनावों में महाविकास आघाडी ने महाराष्ट्र का विकास नहीं होने और राज्य से उद्योग-धंधे गुजरात जाने को मुद्दा बनाया था। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना ने हीरे का कारोबार सूरत शिफ्ट होने और सेमीकंडक्टर प्लांट को गुजरात जाने पर बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को घेरा था। महाराष्ट्र आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में सामने आया है कि राज्य प्रति व्यक्ति आय में छठवें नंबर पर है। महाराष्ट्र में प्रति व्यक्ति की आय 2,52,389 रुपए बताई गई है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना पहले नंबर पर है तो वहीं दूसरी नंबर पर कर्नाटक और फिर हरियाणा है।

महाराष्ट्र के गुजरात के पीछे होने को महाविकास आघाडी मुद्दा बना सकती है। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि 2021-22 में बड़े उछाल के बाद महाराष्ट्र का विकास इंजन धीमा हो गया है। महामारी में अर्थव्यवस्था तो बनी लेकिन बची भी और कायम भी रही। इसके बाद इसके बढ़ने की उम्मीद थी, शुरुआत तो अच्छी हुई, लेकिन चीजें ठीक नहीं चल रही हैं। यह चिंता का कारण होना चाहिए। वित्तीय वर्ष 2021-2022 और पिछले आर्थिक सर्वेक्षण में महाराष्ट्र प्रति व्यक्ति आय के मामले में पांचवें नंबर पर था। तब कर्नाटक, तेलंगाना, हरियाणा और तमिलनाडु उससे आगे थे। पिछले सर्वेक्षण में महाराष्ट्र के लोगों की प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी हुई थी। यह वित्तीय वर्ष 2021-2022 के मुकाबले 2,15,233 रुपए से बढ़कर 2,42,247 रुपए हो गई थी। इस बार के सर्वेक्षण में भी प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2,52,389 रुपए हुई, लेकिन महाराष्ट्र, गुजरात से पीछे हो गया है।

आज हम सिर्फ पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं बने बल्कि ब्रिटेन को भी पीछे छोड़ा

-बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा-हम सबसे बड़े ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्करर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए राज्यसभा में बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि एनडीए गठबंधन ने और बीजेपी ने दक्षिण भारत में कांग्रेस से ज्यादा मत हासिल किए हैं। तेलंगाना में हमारी आठ सीटें ही नहीं हैं, बल्कि 35 फीसदी वोट हासिल किए हैं। कर्नाटक में बीजेपी को 45 फीसदी वोट मिले हैं। केरल में हमारी एक सीट आई है और 17 फीसदी वोट मिले हैं। तमिलनाडु में कांग्रेस पार्टी को 10.25 फीसदी वोट मिले जबकि बीजेपी को यहां 11.5 फीसदी वोट मिले हैं। उन्होंने कहा कि उड़ीसा में पहली बार बीजेपी की सरकार बनी है। हम पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बने हैं, लेकिन हम सिर्फ पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं बने बल्कि ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है जिसने हमारे ऊपर हुकूमत की है। हम दुनिया के चौथे सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज तीसरे बड़े सोलर एनर्जी के केंद्र बने। हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्करर बने। उन्होंने कहा कि भारत में डोमेस्टिक एविएशन सेक्टर विश्व में तीसरे नंबर पर आ गया है। मोबाइल हैंडसेट बनाने में हम दुनिया में दूसरे नंबर पर हैं। डिजिटल पेमेंट में भी हम दुनिया में नंबर वन हैं। पिछली लोकसभा और इस लोकसभा के बीच में चांद के अछूते कोने दक्षिणी ध्रुव को छूने वाले हम दुनिया के पहले देश बने गए हैं। निश्चित ही उसमें हमारे वैज्ञानिकों ने बड़ी भूमिका निभाई है और इसमें हमारे पीएम मोदी का निरंतर रूप से उसमें सहयोग प्राप्त हो रहा है। पीएम मोदी ने उस पॉइंट का नाम रखा शिव शक्ति। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल ऐसे हैं जो कहते हैं कि हिंदू धर्म में जो शक्ति है उससे हमें लड़ना है। दूसरी तरफ हमारा संकल्प यह है कि उस शक्ति को चांद की ऊंचाई तक ले जाकर स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि जो तीन चुनाव के बाद भी तीन डिजिट की संख्या प्राप्त नहीं कर पाए, चुनाव के बाद उनके चेहरे की चमक देखिए। उनकी आवाज की खनक देखिए। उनके जलवे में धमक देखिए। ऐसा लगता है कि मानो बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल

कर ली। उन्होंने कहा कि 1984 के बाद से आज तक बीते 40 साल में कांग्रेस को 240 सीटें नहीं मिली। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी की तरफ से उनके लिए एक बात कहना चाहूंगा-दरिया का सारा नशा उतरता चला गया, वह मुझे डुबाता रहा और मैं उभरता चला गया। और यह 44, 52, 99 अरे जिसे मंजिल समझ कर बैठ गए चंद लोग, मैं ऐसे कितने ही रास्तों से गुजरा चला गया।

संपादकीय

अभिभाषण का भाव

अठारहवीं लोकसभा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अभिभाषण न केवल विश्वास जगाने की अच्छी कोशिश है, बल्कि सत्ता पक्ष की राजनीति का भी स्पष्ट संकेत है। राष्ट्रपति ने गुरुवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का विशेष रूप से उल्लेख किया। परीक्षाओं के साथ निरंतर हो रहे खिलवाड़ की वजह से किशोरों और युवा पीढ़ी में चिंता व्याप्त है। शिकायतों के प्रति सरकार को गंभीर होना चाहिए। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में नीट सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की कथित गड़बड़ी का उल्लेख किया और वादा किया कि उनकी सरकार निष्पक्ष परीक्षाएं आयोजित करेगी। वास्तव में, युवा पीढ़ी और देश यही चाहता है कि परीक्षाओं को चाक-चौबंद बनाया जाए। उनसे खिलवाड़ करने वाले रसूखदारों के दुस्साहस को मुंहतोड़ जवाब मिलना ही चाहिए। राष्ट्रपति ने सही कहा है कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस पर विचार करने की जरूरत है। राष्ट्रपति ने संसद के सभी सदस्यों को सलाह दी है कि सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए संसदीय कार्यवाही को बाधित नहीं किया जाए। यह बात छिपी हुई नहीं है कि संसद का समय बड़े पैमाने पर हंगामे की भेंट चढ़ता है। राष्ट्रपति की इस सदिच्छा का सम्मान सांसदों का कर्तव्य होना चाहिए। विरोध अपनी जगह है, जहां सांसद सहमत नहीं होंगे, वहां उन्हें नाराजगी जताने में हिचकना नहीं चाहिए, पर सदन में अनावश्यक शोर करना, मात्र विरोध के लिए विरोध करना बंद हो जाना चाहिए। देश की सर्वोच्च पंचायत फिजूल की टीका-टिप्पणियों के लिए कतई नहीं है। 18वीं लोकसभा में अगर कम से कम हंगामा और ज्यादा से ज्यादा काम हो, तो देश की तरक्की को बल मिलेगा। हंगामा या समय की बर्बादी सत्ता पक्ष की वजह से हो या विपक्ष की वजह से, नुकसान देश को होता है। राष्ट्रपति ने सांसदों को याद दिलाया है कि सदन के सभी सदस्यों के लिए लोकहित सर्वोपरि होना चाहिए। राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में यह भी संकेत दिया है कि सरकार आगामी बजट के दौरान कई बड़ी घोषणाएं करेगी। पहले से ही यह उम्मीद जताई जा रही है कि आगामी बजट देश की आर्थिक और सामाजिक स्थितियों को प्रभावित करने वाला हो सकता है। इससे देश में आर्थिक सुधार की गति बढ़ेगी। यहां लोग यही उम्मीद करेंगे कि आर्थिक सुधार आम लोगों के अनुरूप हों, कंपनियों की सुनवाई हो, पर लोगों की जरूरतों को देखते हुए सुधार के कदम उठाए जाएं। ऐसे कदम जरूरी हैं, जिनसे रोजगार में वृद्धि हो। राष्ट्रपति का यह कहना भी प्रशंसनीय है कि निवेश के लिए हमारे राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा होनी चाहिए। निवेश आमंत्रित करने के लिए, बेहतर नीतियों को लागू करने के लिए प्रतिस्पर्द्धा का भाव आना जरूरी है। राज्य जब एक-दूसरे से सीखेंगे और एक-दूसरे से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे, तब देश की तरक्की तेज होगी। कुल मिलाकर, अभिभाषण स्वागतयोग्य है, पर हमेशा की तरह इस बार भी अभिभाषण की बातें विपक्ष को पसंद नहीं आई हैं। यहां यह समझना चाहिए कि राष्ट्रपति के अभिभाषण को केंद्र सरकार तैयार करती है और जब इसमें आपातकाल को काला अध्याय के रूप में याद किया गया, तो विपक्ष की नाराजगी उभर आई। आपातकाल को हम भुला नहीं सकते, पर उसे बार-बार याद करके कटु यादों को ताजा करने से ज्यादा बेहतर है कि हम सबक लें और लोकतंत्र की ज्यादा मजबूती के लिए काम करें।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

नये आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में दिक्कतें

के.पी. सिंह

तीन नये आपराधिक कानून, अर्थात ् भारतीय न्याय संहिता 2023 (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (बीएसए) 1 जुलाई, 2024 से लागू होने जा रहे हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ ने आपराधिक प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के उद्देश्य से बनाए गए नए कानूनों की सराहना की है और उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जबकि कानूनी बिरादरी के एक वर्ग ने इन कानूनों के कुछ प्रावधानों की अनिश्चितता, अस्पष्टता और संवैधानिकता के बारे में गम्भीर चिंता जताई है। ममता बनर्जी सहित विपक्षी राजनीतिक दल मांग कर रहे हैं कि नये अधिनियमों को तब तक स्थगित रखा जाना चाहिए जब तक कि लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्य उनकी संस्तुति नहीं कर देते। उनका तर्क है कि ये कानून संसद में बिना किसी सार्थक बहस के जल्दबाजी में पारित कर दिए गए थे, क्योंकि अधिकांश विपक्षी सदस्य निलम्बित थे। नए आपराधिक कानूनों की वैधता के बारे में इतनी देरी से चिन्ता व्यक्त करना अवसरों को गंवाने के अलावा और कुछ नहीं है, ये कानून तीन साल की लम्बी परामर्श प्रक्रिया और हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद बनाए गए थे। इसके बाद गृह मंत्रालय की संसदीय समिति द्वारा इन कानूनों की गहन जांच की गई थी। यहां तक कि दो अलग-अलग अवसरों पर सार्वजनिक नोटिस के जरिए जनता से सुझाव भी मांगे गए थे। सरकार इनमें से किसी भी मांग के आगे नहीं झुक रही है और कानूनों को लागू करने के लिए दृढ़ संकल्पित दिख रही है। इसके अतिरिक्त, नए प्रावधानों की असंवैधानिकता के बारे में चिंताएं इस तथ्य के मद्देनजर सही नहीं हैं कि बीएनएस में बदलाव मुख्य रूप से नवतेज जौहर (2018), जोसेफ शाइन (2018) और पी. रथिनम (1994) के मामलों में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का प्रतिबिम्ब है। भारतीय न्याय संहिता से राजद्रोह की धारा हटाना राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में शीर्ष अदालत में केन्द्र सरकार के हलफनामे पर क्रियान्वयन दर्शाता है, साथ ही इसमें लम्बे समय से लम्बित राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को भी सम्बोधित किया गया है। बीएनएसएस और बीएसए में संशोधनों पर आपत्तियां भी उचित प्रतीत नहीं होती क्योंकि इनके मूल रूप से आपराधिक कार्रवाई का डिजिटलीकरण और पीड़ित तथा नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रावधानों को शामिल करना है। इसके अलावा गुणवत्तापूर्ण जांच और त्वरित न्याय की मांग को पूरा करने के लिए आपराधिक प्रक्रियाओं को फिर से स्थापित किया गया है। विशेषज्ञों की अलग-अलग राय के बावजूद, नये कानूनों का क्रियान्वयन आसान नहीं होगा क्योंकि इसमें विभिन्न प्रकार के बुनियादी ढांचे का निर्माण, हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान करना, नियम और संचालन प्रक्रियाएं निर्धारित करना, मानक प्रपत्रों में संशोधन करना और परिचालन संबंधी मुद्दों को सुलझाने के लिए अन्तर-एजेंसी समन्वय करना शामिल है। साथ ही एक बात जो विश्वास दिलाती है कि ये कानून समय पर लागू होंगे यह है कि एक अनुभवी और समय-परीक्षणित आपराधिक न्याय प्रणाली अस्तित्व में है जिसमें किसी भी बदलाव को अपनाने और सीमित संसाधनों के साथ किसी भी समस्या का व्यावहारिक समाधान खोजने की कुव्वत है। नये कानून तय समय पर लागू होंगे, इसका एक और आश्वासन इस हकीकत से भी मिलता है कि पुलिस, अभियोजकों और न्यायिक अधिकारियों को बड़े पैमाने पर क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण दिया गया है, जिसे केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है। हालांकि, कानून लागू करने की व्यवस्था से जुड़े कुछ अधिकारी अभी भी आशंकित हैं, उनका तर्क है कि नए कानूनों के सफल प्रवर्तन से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को अभी भी सम्बोधित किया जाना बाकी है, ताकि अधिनियमों का निर्बाध प्रवर्तन सुनिश्चित किया जा सके। बीएनएसएस में कई अनिवार्य प्रक्रियाएं हैं, जिसमें तलाशियों, जब्तियों और अपराध के दृश्य की वीडियोग्राफी और केस प्रॉपर्टी आदि की फोटोग्राफी शामिल है, जिनके लिए शुरुआत से ही इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल तकनीकी का प्रयोग करना आवश्यक होगा। हालात यह है कि सभी जांचकर्ताओं और निर्णायकों को अभी भी उपयुक्त उपकरण और तकनीकी प्रदान करके उनका उपयोग करना सिखाना अभी तक सम्भव नहीं हो पाया है, ताकि आवश्यक डिजिटल आउटपुट समान रूप से और स्वीकार्य रूप में उत्पन्न, सुरक्षित और संगृहीत किए जा सकें। इसके अतिरिक्त, ई-कोर्ट कार्यवाही का संचालन और इलेक्ट्रॉनिक संचार आदि के माध्यम से समन और वारंट भेजने सहित कई अन्य प्रक्रियाएं हैं, जिनके लिए अदालतों, पुलिस स्टेशनों और जेलों का बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण, नियमों का मानकीकरण, तकनीकी और सहायक कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण, वित्तीय संसाधन और अंतर-एजेंसी समन्वय अति आवश्यक होंगे। जमीनी हकीकत यह है कि अभी तक अधिकांश राज्यों में इस दिशा में कुछ भी ठोस नहीं किया गया है। बीएनएस में दी गई दंड की सूची में 'सामुदायिक सेवा' को भी शामिल कर लिया गया है, वस्तुस्थिति यह है कि एजेंसियों को अभी तक इस सज़ा को लागू करने के अधिकार क्षेत्र के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है, न ही इस सज़ा को भुगताने के लिए आवश्यक संस्थानों की पहचान करके नियम बनाए गए है। नए कानूनों से सम्बन्धित प्रावधानों को लागू करने के लिए आवश्यक नियमों के अभाव में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अनेक मुख्य प्रावधानों जैसे- गवाहों की सुरक्षा, आरोपित की अनुपस्थिति में मुकदमे की कार्यवाही, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सम्मन और वारंट भेजना, अपराध करके अर्जित की गई सम्पत्ति को जब्त करके पीड़ितों में बांटना, माल मुकदमे का समय पर निपटान, अनुसंधान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी इत्यादि को लागू करना लगभग असम्भव होगा। यहां यह उल्लेखनीय है कि इन नियमों को बनाने के लिए राज्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश पहले ही जारी कर दिए गए हैं। उपरोक्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह जरूरी हो जाता है कि न्याय व्यवस्था के सभी अंग अपने-अपने क्षेत्र में पुनः उन क्षेत्रों की पहचान करें जिनमें क्रियान्वयन से सम्बन्धित नियम और प्रोटोकोल बनाना नितान्त आवश्यक है। व्यापक पैमाने पर तकनीकी, कानूनी व अन्य सहायक कर्मचारियों और अधिकारियों की नियुक्ति तथा प्रशिक्षण एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा है। जिसे अब और लम्बित नहीं रखा जा सकता। अपराध एवं अपराधियों पर निगरानी रखने के लिए नेटवर्क (सीसीटीएनएस) तथा न्याय व्यवस्था से जुड़ी हुई संस्थाओं के बीच समन्वयक सॉफ्टवेयर का उन्नयन और आधुनिकीकरण अभी तक पूरा नहीं हो सका है। यह जानना जरूरी हो जाता है कि यह कार्य राज्य स्वयं में पूरा करने के लिए सक्षम नहीं है।

इसके लिए राज्यों को केन्द्र सरकार की एजेंसियों से आवश्यक तकनीकी सॉफ्टवेयर तथा मार्गदर्शन की दरकार होगी। निःसंदेह, नये कानूनों को लागू करने के पथ में राज्य सरकारों का आगे बढ़ना बिना केन्द्र सरकार के सहयोग और सहारे के चलना सम्भव नहीं होगा। कदम-कदम पर राज्यों को केन्द्र सरकार की मदद की जरूरत होगी। नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के साथ केन्द्र सरकार की निष्ठा और तत्परता भी जुड़ी हुई है, अतः केन्द्रीय एजेंसियों को चाहिए कि राज्य सरकारों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर काम करें ताकि इन कानूनों को समयबद्ध और सुचारु रूप से लागू किया जा सके।

लेखक हरियाणा के पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

राहुल गांधी का कद भी बढ़ा एवं राजनीतिक कौशल भी

(लेखक - ललित गर्ग)

-राहुल गांधी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता बन गये हैं, यह उनका पहला संवैधानिक पद है, इससे पहले वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। इस बड़े पद के साथ उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जायेंगी। दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं। लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा। निश्चित ही राहुल गांधी का कद बढ़ा है और अब वे स्वल्प समय में ही कद्दावर नेता की तरह राजनीति करने लगे हैं। राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है। राहुल की राजनीति को चमकाने में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' के अलावा मणिपुर से मुंबई तक की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब प्रतिनेता के रूप में उनकी एक नई यात्रा शुरु हो रही है जो उन्हें नई राजनीतिक ऊंचाई दे सकती है। देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी एवं जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने एवं सरकार की नीतियों-योजनाओं पर तीखी नजर रखने एवं प्रभावी सवाल उठाने की स्थितियों को बल मिलेगा। लेकिन विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो, बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए। नेता प्रतिपक्ष पद से सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है। राहुल की सुविधाएं बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ गयी है। 16वीं और 17वीं लोकसभा में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास इस पद के लिए आवश्यक 10 प्रतिशत सदस्य नहीं थे। कांग्रेस ने इस बार लोकसभा चुनाव में 99 सीट जीतकर इस पद को हासिल किया है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़े चयन के अलावा लोकपाल, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक जैसी प्रमुख नियुक्तियों पर महत्वपूर्ण पैनल के सदस्य भी होंगे। प्रधानमंत्री इन पैनल के प्रमुख होते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी को लोकसभा में पहली पंक्ति में सीट मिलेगी। यह सीट डिप्टी स्पीकर की सीट के बगल वाली होगी। इसके अलावा संसद भवन में सचिवीय तथा अन्य सुविधाओं से युक्त एक कमरा भी मिलेगा। विपक्ष के नेता को औपचारिक अवसरों पर कुछ विशेषाधिकार भी प्राप्त होते हैं। एक केन्द्रीय मंत्री को मिलने वाली सभी सुविधाएं राहुल गांधी को मिलेगी। राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल को मनोवैज्ञानिक लाभ पहुंचाया है, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि बनी है। इससे कांग्रेस ने अपना आत्मविश्वास फिर से पा लिया है, जो कोई छोटी बात नहीं। और यह राहुल और प्रियंका गांधी की गतिविधियों में साफ झलकता है। साथ ही, अब इस बात को लेकर भी कांग्रेस में कोई दुविधा नहीं रह गई है कि गांधी परिवार ही सर्वोच्च है और पार्टी पर उसका पूरा नियंत्रण होगा। इसका यह भी मतलब है कि टीम-राहुल का सभी मामलों में फैसला अंतिम होगा।

पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सदन के भीतर पहली बार वह कोई पद संभालने जा रहे हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं। कांग्रेस का सबसे बड़ा काम दलित और पिछड़े मतदाताओं ने यूपी में जो उनकी मदद की है, उनका विश्वास बनाए रखने का है। यह बड़ी सचाई है कि आज भी देश के महत्त्व के राज्यों में भाजपा को क्षेत्रीय दल शिकस्त दे रहे हैं। अगर क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का गठजोड़ बना रहे, तो ही भाजपा पर दबाव आएगा। बड़ा सच यह भी है कि न भाजपा बदली है ना उसकी विचारधारा। भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी को भले ही चुनावों में पूर्ण बहुमत न मिला हो, लेकिन वह ही आज ताकतवर है। यह भी समझना होगा कि भाजपा विपक्ष की ताकत से नहीं, बल्कि सरकार की बड़ी गलतियों एवं पार्टी के अति उत्साह से नुकसान में पहुंची है।

यह भी एक तथ्य है कि मुस्लिमों के सक्रिय-समर्थन के बिना कांग्रेस को कामयाबी नहीं मिल सकती थी। निश्चित ही मुसलमानों के वोट की अहमियत कुछ-कुछ सीटों पर हार-जीत का फैसला कर गई है। भाजपा अपनी आगे की रणनीति इसी आधार पर बनाएगी और वो पिछले चुनावों के जैसी ही होगी। मतलब कि भाजपा कोई नई भाषा नहीं बोलने वाली है। वह आरोप लगाती रहेगी कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करती है। कांग्रेस के सामने चुनौती होगी कि वो इस आरोप को अपने पर आने न दे, ताकि भाजपा हिंदुओं के हितों की एकमात्र रक्षक है, ऐसा दावा ना कर सके। कांग्रेस को इस हिंदू-मुस्लिम राजनीतिक बवंडर से बचने के लिये अपनी रणनीति को बनाना होगा। बिना हिन्दू वोट के कांग्रेस सफल राजनीतिक पारी नहीं खेल सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सफलता और निष्फलता का सही आकलन कर लेना जरूरी है। जनता के समक्ष अपना आत्मविश्वास बढ़ाए रखना अच्छी बात है, लेकिन मोदी आज जिस जमीन पर खड़े हैं, जनता के बीच उनकी जो स्वीकार्यता है उसका सही आकलन करना कांग्रेस की आगे की रणनीति के लिए बेहद जरूरी होगा। राहुल गांधी सदन में विपक्ष की मजबूत आवाज बनकर उभरेंगे, इसमें सन्देह नहीं है। पक्ष एवं विपक्ष के बीच एक संतुलन बनना लोकतंत्र की खूबसूरती है एव अपेक्षा भी है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में विपक्ष के नेता की प्रमुख भूमिकाओं में से एक सरकार की नीतियों पर 'प्रभावी' सवाल उठाना है। विपक्ष के नेता की भूमिका वास्तव में बहुत चुनौतीपूर्ण होती है क्योंकि उसे सरकार की विधायिका और जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करनी होती है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें सरकारी प्रस्तावों-नीतियों के विकल्प प्रस्तुत करने होते हैं। निश्चित तौर पर आने वाले दिनों में राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष अलग एवं ऊंचे स्तर पर अपने तेवर दिखा सकता है। सरकार के लिए कोई भी बिल पास कराना अब इतना आसान नहीं होगा। मोदी की स्थिर सरकार देने की जद्दोजहद के बीच मोदी और राहुल के बीच की टकराव की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता है, लेकिन बावजूद इसके सदन में सकारात्मक वातावरण बना रहना भी जरूरी है।

विचार मंथन

ब्याज और किस्त चुकाने के लिए लेना पड़ रहा है, कर्ज?

(लेखक- सनत जैन)

केंद्र सरकार और राज्य सरकारें जुलाई माह में बजट पेश करने जा रही हैं। पिछले कई वर्षों से आम जनता के ऊपर लगातार टैक्स बढ़ाये जा रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के टैक्स की आय 2017 के बाद से साल दर साल तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही है। सरकार के अपने खर्च भी साल दर साल बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। खर्च को पूरा करने के लिए सरकारें कर्ज ले रही हैं। पिछले वर्षों में केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर कर्ज बड़ी तेजी के साथ बढ़ता जा रहा है। विकास योजनाओं के नाम पर केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर कर्ज लिया जा रहा है। जनता के ऊपर टैक्स के कारण आर्थिक बोझ बढ़ता चला जा रहा है। गलत आर्थिक नीतियों और अपरिपक्व राजनीतिक निर्णय के कारण सरकारी खजाने का बोझ बढ़ता ही जा रहा है। जिसके कारण आम जनता करों के बोझ से दबकर नाराज है। यह नाराजी 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिली है। भारत में लगातार टैक्स बढ़ता जा रहा है। जीएसटी के रूप में अब गरीबों से भी टैक्स की वसूली बड़े पैमाने पर की जा रही है। जिस तरह से कानून बनाए गए हैं। खुदरा व्यापार में कारपोरेट कंपनियों के आ जाने के कारण, स्थानीय रोजगार और व्यापार का स्थान कॉर्पोरेट कंपनियों के पास पहुंच गया है। डिब्बा बंद और पैक सामान की बिक्री बढ़ गई हैं। इस कारण केंद्र एवं राज्य सरकारों को जीएसटी के रूप में भारी राजस्व मिल रहा है। इसके बाद भी साल दर साल केंद्र एवं राज्य सरकार का कर्ज बढ़ना चिंता का विषय है। अब तो यह हालत होने लगी है, कि कर्ज चुकाने के लिए सरकारों को कर्ज लेना पड़ रहा है। पूर्व केंद्रीय कामर्स मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, जो एक उद्योगपति भी हैं उन्होंने अपने सोशल मीडिया के एक्स अकाउंट पर लिखा है, कि मध्य प्रदेश सरकार वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 88450 करोड़ रुपए का कर्ज लेने जा रही है। मध्य प्रदेश के ऊपर पहले ही 3.50 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कर्ज लिए जाने के बाद मध्य प्रदेश के ऊपर 4.38 लाख करोड़ रुपए का कर्ज हो जाएगा। राज्य सरकार की आय और खर्च के बीच कर्ज चुकाने के लिए ब्याज एवं किस्त चुकाने के लिए राज्य सरकार को कर्ज लेना पड़ेगा। यह स्थिति केवल मध्य प्रदेश की नहीं है। केंद्र सरकार के ऊपर भी कर्ज का बोझ पिछले वर्षों में तीन गुना से ज्यादा बढ़ गया है। यही स्थिति लगभग-लगभग सभी राज्य सरकारों की है। इन दोनों देश में महंगाई अपनी चरम सीमा पर है। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा पिछले वर्षों में जीएसटी एवं अन्य शुल्क के माध्यम से आम जनता के ऊपर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से टैक्स बढ़ाए जा रहे हैं। जिस तरीके से आम जनता के खर्च बढ़ रहे हैं। उस तुलना में उनकी आय नहीं बढ़ रही है। चुनाव जीतने के लिए लोक-लुभावन योजनाएं केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई हैं। इसके अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर जो निवेश किया जा रहा है, उसके लिए जो कर्ज लिया जा रहा है। इसका फायदा केंद्र एवं राज्य सरकार को आर्थिक दृष्टि से नहीं हो रहा है। जिसके कारण दिनों दिन स्थितियां विकराल होती जा रही हैं। आम जनता जिस तरह टैक्स और महंगाई के बोझ से दबकर कराह रही है, ऐसी स्थिति में टैक्स को बढ़ाना केंद्र एवं राज्य सरकारों के लिए संभव नहीं है। यदि बजट में टैक्स बढ़ाए गए, महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया। ऐसी स्थिति में सरकार की नीतियों के खिलाफ अब जनता सड़कों पर आ सकती है। वर्तमान आर्थिक व्यवस्था में केंद्र एवं राज्य सरकारों की आर्थिक नीतियों और बजट को तैयार करने में ज्यादा जिम्मेदारी से काम करने की जरूरत है। कर्ज लेकर जिस तरह से घी पीने की आदत पिछले एक दशक में पड़ गई है। यह ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाएगी। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने कर्ज की सभी सीमाओं को पार कर दिया है। कर्ज तभी तक मदद करता है, जब आय और व्यय के बीच सामंजस्य बनाकर रखा जाए। कर्ज का बोझ केंद्र एवं राज्य सरकारों पर इतना अधिक हो गया है। ब्याज और किस्त की अदायगी के बाद सरकार को अपने जरूरी खर्च, जिसमें वेतन प्रशासनिक खर्च पर नियंत्रण पाना होगा। आम जनता की योजनाओं और सामुदायिक विकास जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, रोजगार इत्यादि तथा कर्ज अदायगी के लिए खजाने में पर्याप्त धन होना जरूरी है।

निफ्टी दिसंबर तक छू सकता है 25200 का स्तर

नई दिल्ली । बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि दिसंबर 2024 तक निफ्टी 25,200 के स्तर को छू सकता है। अब तक के चुनावी सालों में शेयर बाजार का कारोबार अच्छा रहा है, इस हिसाब से बाजार के जानकारों ने कहा है कि निफ्टी दिसंबर 2024 में 25,200 के स्तर पर पहुंच सकता है जबकि इसे 22,200 पर मजबूती हासिल है। उन्होंने कहा है कि 1999 के बाद से चुनावी साल में निफ्टी में 21 फीसदी की तेजी दर्ज की जाती है। हर बार आम चुनाव होने के बाद साल के आखिर तक निफ्टी कम से कम 21 फ़ीसदी की तेजी जरूर देखता है। बाजार के जानकारों ने कहा है कि जून 2022 से निफ्टी में 10 फ़ीसदी करेक्शन अगले 6 महीने में 20 फीसदी रैली के संकेत दे रहा है। चुनावी नतीजे के दिन निफ्टी में कमजोरी देखी गई थी जिसके बाद से इसमें बंपर तेजी देखी जा रही है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि ग्लोबल सेटअप शेयर बाजार में तेजी की तरफ इशारा कर रहे हैं। पिछले पांच चुनावी सालों में अमेरिकी बाजार में जून से नवंबर के बीच औसतन 9 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। निफ्टी में साल 2008 को छोड़कर हर चुनावी साल में जून से दिसंबर के बीच 20 फ़ीसदी की तेजी देखी गई है।

वित्तीय प्रणाली में संचालन व्यवस्था को पहले प्राथमिकता दें- दास

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने वित्तीय प्रणाली के सभी हितधारकों से कहा कि वे संचालन व्यवस्था को सबसे पहले प्राथमिकता दें। केंद्रीय बैंक की छमाही वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) की प्रस्तावना में दास ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच मजबूत वृहद ओ र्थिक बुनियादी ढांचे के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है। दास ने कहा कि आरबीआई के दबाव परीक्षणों से पता चलता है कि गंभीर दबाव की स्थिति में भी बैंकों और गैर-बैंकों के बफर न्यूनतम विनियामक पूंजी स्तर से ऊपर रहेंगे। उन्होंने कहा कि आरबीआई साइबर खतरों, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक चुनौतियों से उत्पन्न होने वाले खतरों के प्रति सतर्क है। दास ने सभी पक्षों से संचालन व्यवस्था पर ध्यान केन्द्रित करने को कहा।

गुवाहाटी हवाई अड्डे का नया टर्मिनल अप्रैल 2025 में तैयार होगा

नई दिल्ली । गुवाहाटी में अदाणी समूह द्वारा संचालित गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय (एलजीबीआई) हवाई अड्डे का नया टर्मिनल अप्रैल 2025 तक बन जाएगा। एक वे रिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की कुल लागत से बनाए जा रहे टर्मिनल को पहले दिसंबर 2024 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन डिजाइन में बदलाव के कारण इसमें करीब चार महीने की देरी हो गई। उन्होंने कहा कि हमारा नया टर्मिनल अप्रैल 2025 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इमारत में और अधिक सुविधाएं शामिल करने के लिए डिजाइन में किए बदलाव से थोड़ी देरी हुई है। हम इसे देश का सबसे प्रभावी टर्मिनल बनाना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगस्त 2020 में अदाणी एंटरप्राइजेज को संचालन, प्रबंधन तथा विकास के लिए गुवाहाटी हवाई अड्डे को 50 वर्षों के लिए पट्टे पर देने की मंजूरी दी थी। अक्टूबर 2021 में प्रबंधन को गुजरात स्थित इकाई को हस्तांतरित करने से पहले भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) नए टर्मिनल का विकास कर रहा था। नया टर्मिनल प्रति वर्ष 1.31 करोड़ यात्रियों का प्रबंधन कर पाएगा, जबकि मौजूदा टर्मिनल केवल 34 लाख यात्रियों का प्रबंधन कर पाता है। इसमें 2,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। इसमें से करीब 1,600 करोड़ रुपये टर्मिनल भवन में निवेश किए जा रहे हैं, जबकि शेष राशि का इस्तेमाल एक नया टैक्सीवे बनाने और रनवे का विस्तार करने में किया जाएगा।

टाटा समूह फिर बना देश का सबसे कीमती ब्रांड

- इंफोसिस नंबर दो तो एचडीएफसी समूह तीसरे नंबर पर

मुंबई ।

टाटा समूह 28.6 अरब डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ एक बार फिर से भारत का सबसे मूल्यवान ब्रांड बन गया है। ब्रांड फाइनेंस ने 2024 की अपनी रिपोर्ट में देश के प्रतिष्ठित टाटा समूह को नंबर एक, सूचना तकनीक क्षेत्र की कंपनी इंफोसिस को नंबर दो और बैंकिंग व फाइनेंस क्षेत्र की एचडीएफसी समूह को तीसरे नंबर पर रखा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टाटा समूह की ब्रांड वैल्यू पिछले साल के मुकाबले इस बार 9 फीसदी बढ़ी है। पहली बार भारत की किसी कंपनी का ब्रांड मूल्य 30 अरब डॉलर के करीब पहुंचा है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था में लोगों की उम्मीद को दिखाता है। रिपोर्ट के अनुसार इन्फोसिस की ब्रांड वैल्यू में भी 9 फीसदी की वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि पूरी दुनिया में आईटी क्षेत्र में गिरावट के बावजूद इन्फोसिस ने यह उछाल दर्ज की है। उसका ब्रांड मूल्य 14.2 अरब डॉलर है। एचडीएफसी समूह को अपने बैंकिंग और फाइनेंस कंपनियों के एकीकरण का फायदा हुआ है और ब्रांड मूल्यांकन के मामले में 10.4 अरब डॉलर मूल्य के साथ यह तीसरे स्थान पर है। वैसे देश में अन्य बैंकों के ब्रांड मूल्य में भी जोरदार उछाल आया है। इस सेक्टर ने कुल मिलाकर 26 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की है और इसमें भी इंडियन बैंक, इंडसइंड बैंक व यूनियन बैंक का प्रदर्शन जोरदार रहा है। रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक 61 फीसदी की वृद्धि टेलीकॉम सेक्टर की कंपनियों ने दर्ज की है और 26 फीसदी के साथ बैंकिंग दूसरे जबकि खनन, लोहा व इस्पात क्षेत्र

ने 16 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। टेलीकॉम क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों जियो, एयरटेल व वीआई ने उपभोक्ताओं के उपभोग पैटर्न को ध्यान में रखकर अपने ग्रोथ को गति दी है। इसी प्रकार बैंकिंग क्षेत्र में नियामकीय सुधार ने ब्रांड वैल्यू बढ़ाने में मदद की है।

रुपया आठ पैसे बढ़कर 83.37 डॉलर पर

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी कोषों की लिवाली की वजह से रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे बढ़कर 83.37 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अन्य बाजारों में डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने स्थानीय इकाई पर दबाव डाला और रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.42 पर खुला और शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 83.37 पर पहुंच गया। इस तरह रुपये ने पिछले बंद स्तर से आठ पैसे की वृद्धि दर्ज की। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे बढ़कर 83.45 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत बढ़कर 106.06 पर था।

रिलायंस कंपनी का मार्केट कैप 21 लाख करोड़ के पार

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप पहली बार 21 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। शुक्रवार को रिलायंस के शेयरों में 1.90 फीसदी की तेजी आई और यह 3,129 के अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज पर कवरेज करने वाले 35 विश्लेषकों में से 28 ने इसे बीयूवाय की सिफारिश की है, उनमें से पांच ने इसे होल्ड करने की सलाह दी है, जबकि दो ने इसे सेल रेटिंग दी है। ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस जेफरीज ने रिलायंस पर अपने टार्गेट प्राइस को पहले के 3,380 से बढ़ाकर 3,580 प्रति शेयर कर दिया है यानी आने वाले दिनों में करीब 17 फीसदी चढ़ सकता है। ब्रोकरेज ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर पर अपनी बीयूवाय सिफारिश को भी बनाए रखा है। इसमें कहा गया है कि जियो वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2027 के बीच 18 फीसदी की रेवेन्यू में चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर और टैक्स के बाद लाभ में 26 फीसदी बढ़ने की संभावना है।मॉर्गन स्टेनली ने रिलायंस पर ओवरवेट रेटिंग बनाए रखी है। इसका टार्गेट प्राइस 3,046 प्रति शेयर है। मॉर्गन स्टेनली को वित्त वर्ष 27 तक टैरिफ में कोई और बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है, लेकिन उसने कहा कि अगले साल टैरिफ में लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी से आय में 10 से 15 फीसदी की वृद्धि हो सकती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 210 , निफ्टी 33 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बैंकिंग और आईटी शेयरों में बिकवाली से आई हैं। इससे पिछले दिनों से जारी बाजार की तेजी रुक गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स अंत में 210.45 अंक करीब 0.27 फीसदी नीचे आकर 79,032.73 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 33.90 अंक तकरीबन 0.14 फीसदी नीचे आकर अंत में 24,010.60 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के करीब 10 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इसमें रिलायंस, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया और टाइटन के शेयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ। वहीं एसबीआई , एचयूएल, एनटीपसी, सन फार्मा और एचसीएल टेक के शेयर ऊपर आये।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 20 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआइ बैंक और कोटक बैंक जैसे शेयर शामिल रहे। इसके अलावा, जेएसडब्ल्यू स्टील, मारुति, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, इंफोसिस, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील और आईटीसी के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इससे पहले गत दिवस बाजार रिकार्ड उछाल पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स ने नए रिकॉर्ड उच्च स्तर को छू लिया, जिसमें रिलायंस और भारती एयरटेल में 2 फीसदी की बढ़त रही। रिलायंस जियो द्वारा टैरिफ में 25 फीसदी तक की वृद्धि के बाद वोडाफोन आइडिया के शेयर भी 3 फीसदी बढ़ गए। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 79,546 के उच्चतम स्तर पर पहुंचा और 207 अंकों की बढ़त के साथ 79,435 पर देखा गया। एनएसई निफ्टी 24,100 के स्तर को पार कर गया और 54 अंकों की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा

वहीं एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजार सकारात्मक रुख में ट्रेड करते दिखे। जापान का निक्केई 0.9 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया के इक्विटी बेंचमार्क एसएंडपी एएसएक्स 200 और ऑल ऑर्डिनरीज़ में 0.4 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गई। कोस्पी और ताइवान के बाजारों में भी 0.1 फीसदी की बढ़त रही।

भारत ने चीन के कई उत्पादों पर लगाया डंपिंग रोधी शुल्क

नई दिल्ली ।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईटीसी) ने चीन तथा कुछ अन्य देशों के कई उत्पादों पर डंपिग रोधी शुल्क लगाया है। बोर्ड द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन में इन शुल्कों की घोषणा की गई है। चीन में बने या चीन से निर्यात किये गये सोडियम सायनाइड पर 554 डॉलर प्रति टन तक का और यूरोपीय संघ में बने या वहां से निर्यात सोडियम सायनाइड पर 230 डॉलर प्रति टन, जापान में बने या वहां से निर्यात किये गये सोडियम सायनाइड पर 447 डॉलर और दक्षिण कोरिया में बने या वहां से निर्यात किये गये सोडियम सायनाइड पर 413 डॉलर प्रति टन का डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है। इसी तरह चीन में बने या वहां से निर्यात होने वाले चिजेल टूल और रॉक ब्रेकर्स पर 162.5 प्रतिशत तक और दक्षिण कोरिया में बने या वहां से निर्यात होने वाले चिजेल टूल और रॉक ब्रेकर्स पर 52.77 प्रतिशत तक डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है। चीन में बने या वहां से निर्यात होने वाले टिन प्लेट पर 741 डॉलर प्रति एक लाख पीस का डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है। इस तीनों मामलों में ये शुल्क पांच-पांच साल के लिए लगाये गये हैं। चीन में बने या वहां से निर्यात होने वाले टेलीस्कोपिक चैनल ड्रॉअर स्लाइडर पर 614 डॉलर प्रति टन का डंपिंग रोधी शुल्क लगाया

गया है। यह छह महीने तक प्रभावी रहेगा। उल्लेखनीय है कि जब किसी देश को लगता है कि कोई दूसरा देश हमारे उद्योग को नुकसान पहुंचाने के लिए लागत से भी कम कीमत पर किसी वस्तु का हमें निर्यात कर रहा है, तो उस पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया जाता है।

चालू वित्त वर्ष में 7.5 प्रतिशत रह सकती है भारत की जीडीपी विकास दर!

नई दिल्ली । नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने कहा कि हाई फ्रीक्वेंसी डेटा इस ओर इशारा कर रहे हैं कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत तक रह सकती है। अपने जून माह के रिव्यू में रिसर्च एजेंसी ने कहा कि पहली तिमाही में आर्थिक गतिविधियों, निवेश फोकस्ड नीति और बड़े स्तर पर स्थिरता और सामान्य मानसून के कारण यह आउटलुक जारी किया गया है। इस महीने की शुरुआत में मौद्रिक नीति का ऐलान करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया था। एसीएईआर के एक निदेशक का कहना है कि आउटलुक पहली तिमाही में हुई आर्थिक गतिविधि, सरकारी नीतियों में भी फोकस निवेश एवं ग्रोथ, माइक्रोइकोनॉमिक में भी स्थिरता और साथ ही सामान्य मानसून के अनुमान के आधार पर है। रिपोर्ट में बताया गया कि हाई फ्रीक्वेंसी इंडीकेटर्स में आईआईपी अप्रैल 2024 में बढ़ा है। बैंक क्रेडिट ग्रोथ 20 प्रतिशत के ऊपर है। सामान्य से अच्छा मानसून का अनुमान है। इसके अलावा मई में सर्विस और मैन्युफैक्चरिंग की पीएमआई बढ़ी है।

रूसी हैकरों ने उम्मीद से ज्यादा चुराए थे ग्राहकों के ईमेल्स

- चार महीने बाद माइक्रोसॉफ्ट ग्राहकों को फिर क्यों भेज रही नोटिफिकेशन

नई दिल्ली ।

माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन अब और ग्राहकों को सूचना भेज रही है कि उनके द्वारा आपस में भेजे गए ईमेल को रूसी हैकरों द्वारा एक्सेस किए गए थे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक हैकिंग की संख्या इतनी ज्यादा थी कि पहले रिपोर्ट किए गए राज्य-प्रायोजित डेटा उल्लंघन से कहीं ज्यादा प्रभाव इस बार पड़ा है।

एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस साल की शुरुआत में माइक्रोसॉफ्ट के सिस्टम में सेंध लगाने और कर्मचारियों के इनबॉक्स की जासूसी करने वाले रूसी हैकरों ने इसके ग्राहकों के ईमेल भी चुराए थे। कंपनी ने यह जानकारी पहली बार घुसपैठ का खुलासा करने के लगभग छह महीने बाद दी है। जनवरी में माइक्रोसॉफ्ट ने खुलासा किया था कि हैकरों ने सीनियर नेताओं के ईमेल चुरा लिए थे, जिन्हें वे ग्राहकों की बातचीत में सेंध लगाने की कोशिश में उपयोग कर रहे थे, इनमें सरकारी एजेंसियां भी शामिल थीं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस हमले का आरोप एक समूह पर लगाया, जिसे वह मिडनाइट ब्लिजार्ड कहती है। अमेरिकी और इंगलैंड के अधिकारियों ने इसे रूसी विदेशी खुफिया सर्विस का हिस्सा कहा है। जनवरी में दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी ने कहा था कि

मिडनाइट ब्लिजार्ड ने कंपनी के कॉर्पोरेट ईमेल खातों का बहुत छोटा प्रतिशत एक्सेस किया था। चार महीने बाद उसने कहा कि वे हैकर्स अभी भी सेंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उसके कई सुरक्षा उद्योग के साथी और ग्राहक चिंतित हो गए, जिन्होंने सवाल किया कि माइक्रोसॉफ्ट के सिस्टम असुरक्षित क्यों बने हुए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट के अधिकारियों के ईमेल को खंगालते समय हैकर्स को अन्य कंपनियों और ऑर्गेनाइजेशंस के साथ भेजे गए मैसेज मिले और माइक्रोसॉफ्ट अब ग्राहकों को इसके बारे में नोटिफाई कर रहा है कि हैकरों मे उनके कौन से ईमेल को एक्सेस किया था। हालांकि कंपनी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि किन ग्राहकों को नोटिस भेजे जा रहे हैं।

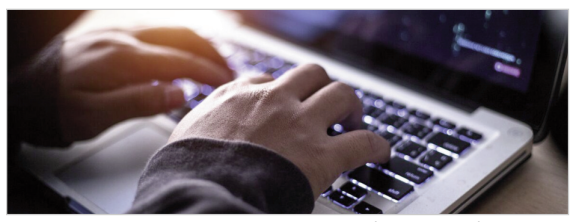

कई राज्यों में सस्ता हुआ पेट्रोल और डीजल

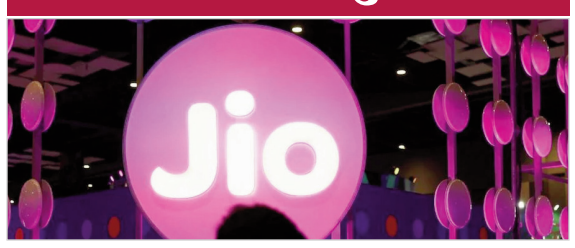

नई दिल्ली ।

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम पर आधारित होती हैं। आपको बता दें कि भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के भाव तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए भाव जारी करती है। ऐसे ही तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। जबकि कुछ राज्यों में इसकी कीमतें घटी भी हैं। अगर वही राज्य स्तर की बात करें तो आज बिहार में पेट्रोल 9 पैसे घटकर 107.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल 9 पैसे घटकर 93.92 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, केरल, नागालैंड, ओडिशा,पंजाब, राजस्थान और तामिलनाडु में पेट्रोल डीजल की कीमतों में कटौती की गई है। तो वही महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी देकने को मिली है। यहां पेट्रोल के दाम 37 पैसे बढ़कर 104.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 35 पैसे

बढ़कर 91.08 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा, हरियाणा, मध्य प्रदेश, मिजोरम, पुडुचेरी और तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात में पेट्रोल डीजल के भाव बढ़ गए हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

जियो के प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान हुए महंगे

नई दिल्ली ।

रिलायंस जियो ने अपने प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान्स की कीमतों में 12 से 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर दी है। नए टैरिफ प्लान 3 जुलाई से लागू होंगे। टैरिफ में वृद्धि करने की घोषणा के साथ ही जियो ने दो नए ऐप भी लॉन्च किए। नए एआई-पावर्ड ऐप, जियोसेफ और जियो ट्रांसलेट एक साल तक जियो यूजर्स को फ्री मिलेंगे। इसके बाद जियो सेफ के लिए यूजर्स को 199 रुपये प्रति महीना और जियो ट्रांसलेट के लिए 99 रुपये महीना शुल्क देना होगा। ये नए ऐप उन्नत तकनीकी समाधानों के माध्यम से यूजर्स एक्सपीरियंस को बढ़ाने के लिए जियो के समर्पण को रेखांकित करते हैं। जियोसेफ के जरिए कंपनी क्वांटम सिक्योर वॉइस कॉलिंग, मैसेजिंग, टेक्स्ट, इमेज और फाइल ट्रांसफर की सुविधा देगी। इसके लिए हर महीने 99 रुपए का चार्ज लगेगा लेकिन जियो यूजर्स को एक साल के लिए यह फ्री में मिलेगा। यह एप्लिकेशन व्यक्तिगत और बिजनेस कम्यूनिकेशन को सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उपयोगकर्ताओं के डेटा की सुरक्षा किसी भी संभावित साइबर खतरे से सुरक्षित करेगा। जियो सेफ की क्वांटम एन्क्रिप्शन तकनीक डिजिटल सुरक्षा की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती है। कम्यूनिकेशन में प्राइवेसी और डेटा इंटिग्रिटी को प्राथमिकता देने वाले यूजर्स के लिए जियोसेफ किसी तोहफे से कम नहीं है। सबसे कम रिचार्ज की कीमत बढ़ाकर 19 रुपये की जा रही है। यह एक जीबी डाटा 'ऐड-ऑन-पैक' पैक है, जिसकी कीमत 15 रुपये थी। यह लगभग 25 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने बताया कि 75 जीबी पोस्टपेड डेटा प्लान की कीमत अब 399 रुपये से बढ़कर 449 रुपये हो जाएगी। जियो ने 84 दिन की वैधता वाले लोकप्रिय 666 रुपये वाले अनलिमिटेड प्लान की कीमत भी लगभग 20 प्रतिशत बढ़ाकर 799 रुपये कर दी है।

सोने का भाव गिरा, चांदी की चमक बढ़ी

- सोने के वायदा भाव 71,500, चांदी लगभग 87,200 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने के वायदा भाव में शुक्रवार को नरमी देखने को मिल रही है, जबकि चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव 71,500 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में सोने के भाव में नरमी देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 150 रुपये की गिरावट के साथ 71,422 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 123 रुपये की गिरावट के साथ 71,449 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 168 रुपये की तेजी के साथ 87,216 रुपये पर खुला। इस समय यह 142 रुपये की तेजी के साथ 87,190 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। लेकिन बाद में सोने के भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,338.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,336.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,331.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.28 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.25 डॉलर था। इस समय यह 0.10 डॉलर की तेजी के साथ 29.35 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आईसीसी टी20 विश्वकप में आज होगा भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खिताबी मुकाबला

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में शनिवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खिताबी मुकाबला होगा। इसमें जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। दोनो ही टीमें अब तक इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीती हैं जिससे इनका मनोबल बढ़ा हुआ है। अब दोनो का ही लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फाइनल में जीत दर्ज करना रहेगा। दक्षिण अफ्रीका जहां पहली बार विश्वकप के फाइनल में पहुंची है। वहीं भारतीय टीम पिछले एक दशक से आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी है। ऐसे में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम फाइनल जीतकर खिताबी सूखा समाप्त करना चाहेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका भी अपना पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। अपने फाइनल तक के अभियान में दोनों टीमें सभी मैच जीती हैं पर बड़े टूर्नामेंटों के कई फाइनल मैचों को खेलने के अनुभव के कारण भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रहेगी।

वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम दबाव में बिखरने के चोकर्स के अपने तमगे को पीछे छोड़कर फाइनल में पहुंची है और ऐसे में वह खिताबी मुकाबले में भी जीत चाहेगी।

भारतीय टीम इस मैच को जीतकर कोच राहुल द्रविड़ को एक अच्छी विदाई देना चाहेगी। जिन्होंने 2007 के कैरेबियाई देशों में खेले गये एकदिवसीय विश्व कप में टीम की कप्तानी की थी। इस विश्व कप में भारत शुरुआती चरण से बाहर हो गया था। ऐसे में जीत के साथ ही एक कोच के रूप में टीम उन्हें यादगार विदाई देने की कोशिश करेगी।

भारत निश्चित रूप से पिछले मैच के अंतिम एकादश पर कायम रहेगा, लेकिन टीम को कम से कम दो खिलाड़ियों से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दिग्गज विराट कोहली अब तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और अब उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। रोहित इस मैच में भी आक्रामक अंदाज अपनाएंगे। भारतीय कप्तान को दबाव वाले मैच में शिवम दुबे से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद होगी। टूर्नामेंट में अब तक लचर प्रदर्शन के बाद भी वह केशव महाराज और तबरेज शम्सी जैसे स्पिनरों के खिलाफ बड़े

शॉट खेलकर नायक बन सकते हैं। ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं तो हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और रविंद्र जड़ेजा ने छोटी लेकिन प्रभावी पारियां खेली हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर कुलदीप यादव जबरदस्त लय में हैं। वहीं दूसरी ओर कप्तान एडेन मार्कराम की दक्षिण अफ्रीकी टीम को क्विंटन डिकॉक और रीजा हेंड्रिक्स की सलामी जोड़ी से रनों की उम्मीद होगी। सुपर आठ में ये बड़ी टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके लेकिन फाइनल में टीम के लिए बेहर प्रदर्शन को तैयार होंगे। इस प्रारूप के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में शामिल हेनरिच क्लासेन भी टीम के लिए बड़ी पारी खेल सकते हैं। टीम के पास अच्छे गेंदबाज हैं। कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे के पास तेज गेंदबाजी जबकि तबरेज शम्सी और केशव महाराज के पास स्पिन विभाग की कमान रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होगा।

टीम

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह!

दक्षिण अफ्रीका = एडेन मार्कराम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे, तबरेज शम्सी!

गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर के ओलंपिक में खेलने पर संदेह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के शीर्ष गोला फेंक खिगोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेकिटिक्स चैंपियनशिप से अपना नाम वापस ले लिया है। ये प्रतियोगिता आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अंतिम अवसर है। ऐसे में अब देखना होगा कि तूर को पेरिस ओलंपिक का टिकट मिलता है या नहीं। पिछले महीने ही भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने साफ कर दिया था कि ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए पेरिस ओलंपिक में चयन के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में भाग लेना अनिवार्य होगा। ऐसे में अब देखना है कि तूर का मामला किया प्रकार से हल किया जाता है।

कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर विश्व रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने की राह पर थे पर असफल रहे। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। हालांकि, अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। तूर ने बताया कि अभी उनके टखने में थोड़ा दर्द है जिसकी वजह से डॉक्टर ने सिंह को तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नहीं करने की सलाह दी है। तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड में एस्टाडियो वालेहार्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा। ऐसे में एथलेटिक्स महासंघ तूर के मामले को किस प्रकार संभालता है।

टी20 में स्ट्राइक रेट पर अधिक जोर दिया जा रहा : मिलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेविड मिलर ने कहा है कि जिस प्रकार से आजकल टी20 क्रिकेट हो रहा है और स्ट्राइक रेट पर ही जोर दिया जा रहा है। उस स्थिति में आने वाले समय में खिलाड़ी बेहतर औसत नहीं बल्कि तेजी से खेलने की क्षमता के आधार पर ही चयनित किये जाएंगे। मिलर पिछले कुछ साल में फिनिशर की भूमिका में ही नजर आये हैं। मिलर ने कहा, 'हमने इस साल कुछ बड़े स्कोर देखे हैं। कुछ टीमों के साथ ही कुछ खिलाड़ियों ने जबरदस्त बल्लेबाजी की है। मैंने हमेशा देखा है कि हर कोई बल्लेबाज को औसत के आधार पर आंकता है।

साथ ही कहा, 'टी20 क्रिकेट में किसी को पूरी तरह से इस आधार पर आंकना कठिन हो सकता है। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के साथ निश्चित रूप से आप ऐसा कर सकते हैं, उन्हें बल्लेबाजी करने के लिए मिलने वाले ओवरों की संख्या पर्याप्त होती है। वहीं मध्य क्रम की बात आती है तो यह हमेशा स्ट्राइक रेट और बल्लेबाज के खेल का मैच पर पड़ने वाले प्रभाव की बात होती है ,ऐसे में मुझे लगता है कि लोगों को मैच जीतने की क्षमता के आधार पर टीमों का चयन करना होगा।

द्रविड़ और रोहित ने कोहली का समर्थन किया, कहा- टी20 विश्व कप फाइनल में बड़ी पारी खेलेंगे

जॉर्जटाउन (गयाना) (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने खराब फॉर्म में चल रहे विराट कोहली का समर्थन करते हुए उम्मीद जताई कि यह स्टाइलिश बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप के फाइनल में बड़ी पारी खेलेगा। टी20 विश्व कप से पहले आईपीएल में सर्वाधिक 741 रन बनाने वाले कोहली इस टूर्नामेंट में अभी तक सात पारियों में केवल 75 रन बना पाए हैं।

द्रविड़ ने सेमीफाइनल में भारत की इंग्लैंड पर 68 रन की जीत के बाद कहा, 'आपने देखा होगा कि जब भी विराट थोड़ा जोखिम भरा क्रिकेट खेलते हैं तो हो सकता है कि कुछ अवसरों पर उन्हें सफलता न मिले।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने वास्तव में अच्छा छक्का जड़ा लेकिन भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया और गेंद को थोड़ा ज्यादा मूवमेंट मिल गया। लेकिन जिस तरह से वह खेलते हैं, वह मुझे पसंद है।'

द्रविड़ ने कहा, 'मैं इसमें किसी तरह का मिथक नहीं जोड़ना चाहता हूं लेकिन मुझे उम्मीद है कि वह जल्द ही बड़ी पारी खेलेंगे। मुझे उनका रवैया और समर्पण पसंद है।' कप्तान रोहित ने भी उम्मीद जताई कि कोहली फाइनल में बड़ी पारी खेलने सफल रहेंगे।

रोहित ने कहा, 'वह बेहतरीन खिलाड़ी है। कोई

भी खिलाड़ी इस तरह के दौर से गुजर सकता है। हम समझते हैं कि वह कितना कुशल खिलाड़ी है और हम बड़े मैचों में उनके महत्व को समझते हैं।' उन्होंने कहा, 'फॉर्म कभी कोई समस्या नहीं रही क्योंकि जब आप 15 साल से क्रिकेट खेलते रहे हों तो फॉर्म समस्या नहीं बनती। वह शानदार लय में दिख रहे हैं। उनके इरादे स्पष्ट हैं। संभवतः उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन फाइनल के लिए बचा कर रखा है।'

टूर्नामेंट में अभी तक तीन अर्धशतक की मदद से 248 रन बनाने वाले रोहित भारत के पहले ऐसे कप्तान हैं जिनकी अगुवाई में टीम 12 महीने के अंदर तीसरी बार आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के फाइनल में खेलेगी। भारत ने पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी।

द्रविड़ ने रोहित की प्रशंसा करते हुए कहा, 'मैं उनके बारे में जो कुछ भी कहूंगा वह कम होगा। जिस तरह से उन्होंने टीम के साथ काम किया, उनकी रणनीति, उनकी परिपक्वता और टीम के प्रति उनका रवैया के बारे में जितना भी कहा जाए कम होगा।'

व्यक्तिगत प्रदर्शन महत्वपूर्ण होता है लेकिन रोहित ने कहा कि सामूहिक प्रयास से मैच जीतना संतोषप्रद रहा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल बिठाया। परिस्थितियां थोड़ी चुनौती पूर्ण थी। हमने उनसे सामंजस्य बिठाया और यह अब तक हमारी सफलता की कहानी है। आप जानते हैं कि इस मैच तक हमने वास्तव में परिस्थितियों से अच्छी तरह से तालमेल बिठाया है।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले फाइनल के बारे में पूछे जाने पर रोहित ने कहा, 'हमें पूरे 40 ओवर तक अच्छे फैसले करने होंगे और इससे हमें मैच अपने पक्ष में करने में मदद मिलेगी। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में भी हम शांत थे।' उन्होंने कहा, 'मैं यही कह सकता हूं कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। टीम अच्छी लय में है और हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यही उम्मीद कर सकता हूं कि हम फाइनल में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे।'

सचिन, हरभजन और युवराज ने अक्षर और कुलदीप को दिया जीत का श्रेय, सेमीफाइनल में पहुंचने पर टीम को बधाई दी

गयाना । महान बल्लेबाज सचिन तेंदलुकर के अलावा दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भारतीय टीम को टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंचने पर बधाई दी है। इसके साथ ही जीत में अहम भूमिका निभाने के लिए अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की अहम भूमिका की सराहना की है। सचिन ने कहा, कठिन पिच पर भारतीय टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 171 रन बनाए। अक्षर पटेल ने अपने पहले 3 ओवर की पहली गेंद पर अहम विकेट लिए जबकि कुलदीप यादव ने बीच के ओवरों में जबरदस्त गेंदबाजी को इंग्लैंड को दबाव में ला दिया। सचिन ने कहा कि हमारा कुल स्कोर 171 रन था जो इंग्लैंड के 167 के बराबर स्कोर से थोड़ा ही अधिक था, पर हमारी गेंदबाजी ने उसे बेहतर बना दिया। वहीं मनोज तिवारी ने कहा, रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंची है। इससे साफ है कि रोहित की टीम ने फिर से बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन किया है। स्पिनरों के साथ ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी कमाल की गेंदबाजी की। वहीं हरभजन ने कहा,卐 फाइनल में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को बधाई। बढ़िया खेला कप्तान रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव। वहीं शानदार गेंदबाजी अक्षर पटेल और कुलदीप यादव व जसप्रीत बुमराह।

रहाणे अब लीसेस्टरशर की ओर से खेलेंगे

लीसेस्टर। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे अब इंग्लैंड में लीसेस्टरशर के लिए काउंटी चैम्पियनशिप और वन डे कप खेलते हुए नजर आयेंगे। रहाणे ने इस सत्र के दूसरे भाग के लिए लीसेस्टरशर के साथ करार किया है। क्लब के अनुसार रहाणे काउंटी चैम्पियनशिप के अंतिम पांच मैचों में खेलने के साथ ही वन डे कप में भी खेलेंगे। वह अगले माह जुलाई में टीम से जुड़ेंगे। गौरतलब है कि लीसेस्टरशर की टीम वन डे कप की गत चैम्पियन है। रहाणे

टीम में 36 वर्षीय खिलाड़ी वियान मुल्डर की जगह लेंगे। मुल्डर ने अपना नाम वापस ले लिया है। वह अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के साथ वेस्टइंडीज दौरे जा रहे हैं। रहाणे ने अब तक अपने करियर में सभी प्रारूपों (प्रथम श्रेणी, लिस्ट-ए और टी20) में 51 शतक की मदद से 26,000 से अधिक रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 265 रन रहा है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए सभी प्रारूप में 15 शतकों के साथ 8000 से अधिक रन बनाए हैं। रहाणे ने करार पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं लीसेस्टरशर की टीम से जुड़कर काफी उत्साहित हूं और इस सत्र में टीम से जुड़ने का इंतजार कर रहा हूं। मैंने पिछले साल टीम के परिणामों को देखा और उससे काफी प्रभावित हुआ। मुझे उम्मीद है कि मैं अपनी क्रिकेट का आनंद लूंगा और इस सत्र में क्लब की अधिक सफलता में योगदान दूंगा। रहाणे जुलाई के मध्य में टीम से जुड़ेंगे। वहीं लीसेस्टरशर के क्रिकेट निदेशक क्लाउड हेंडरसन ने कहा, 'हम लीसेस्टरशर में रहाणे जैसे शानदार खिलाड़ी का स्वागत करने के उत्सुक हैं। उनके पास अपार अनुभव है जिससे हमारी टीम को लाभ होगा।

शेफाली वर्मा ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में ठोका सबसे तेज दोहरा शतक

चेन्नई (एजेंसी)। भारत की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाली खिलाड़ी बन गई।

20 साल की शैफाली ने सिर्फ 194 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा कर सदरलैंड को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 248 गेंदों पर दोहरा शतक बनाया था। शेफाली भारत की पूर्व कप्तान कप्तान मिताली राज के बाद लगभग 22 वर्षों के लंबे समय अंतराल पर टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली दूसरी भारतीय भी बनीं। मिताली ने अगस्त 2002 में टॉनटन में इंग्लैंड के खिलाफ ड्रा हुए दूसरे टेस्ट के दौरान 407 गेंदों पर 214 रन बनाए थे।

शेफाली ने अपनी आक्रामक पारी में 23 चौके और आठ छक्के जड़े। उन्होंने डेलमी टकर के खिलाफ लगातार दो छक्के लगाने के बाद एक रन चुराकर अपना दोहरा शतक पूरा किया। वह 197 गेंद में 205 रन बनाकर रन आउट हुई। शेफाली को सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 161 गेंद में 27 चौके और एक छक्का लगाया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 312 गेंद में रिकॉर्ड 292 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई।

रिलायंस फाउंडेशन ने पेरिस ओलंपिक के लिए बनाया इंडिया हाउस

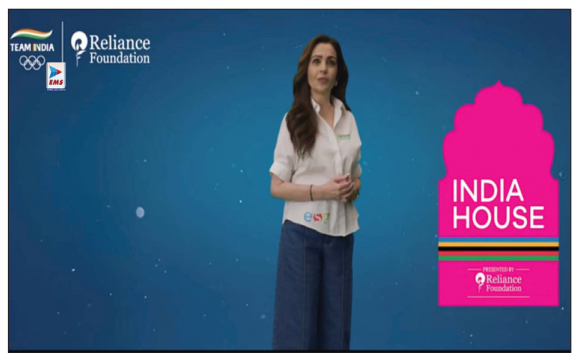

नई दिल्ली । रिलायंस फाउंडेशन ने आगामी ओलंपिक खेलों को देखते हुए पेरिस में 'इंडिया हाउस' बनाया है। ये हाउस भारतीय ओलंपिक संघ के सहयोग से पेरिस के पार्क डे ला विलेट में बनाया गया है। इस पार्क में इंडिया हाउस के अलावा नीदरलैंड, कनाडा, ब्राजील और मेजबान फ्रांस समेत 14 देशों के कंट्री हाउस भी हैं। आईओसी की सदस्य और रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर नीता एम.अंबानी ने इंडिया हाउस बनाने पर खुशी जताते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक खेलों में पहली बार इंडिया हाउस की घोषणा करते हुए मैं बेहद खुश और उत्साहित हूं। यह एक ऐसा स्थान होगा जहां हम अपने एथलीटों का सम्मान कर सकेंगे व अपनी टीम की जीत की खुशी मनाएंगे, अपनी कहानियाँ साझा करेंगे और दुनिया भर को भारतीयता के रंग में रंग देंगे। वहीं भारतीय ओलंपिक संघ की प्रमुख पीटी उषा ने कहा कि रिलायंस फाउंडेशन के साथ साझेदारी में इंडिया हाउस का उद्घाटन, पेरिस ओलंपिक में भारतीय प्रशंसकों और एथलीटों के लिए मुख्य आकर्षणों में से एक होगा। मैं इस पहल और भारत के ओलंपिक आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए आईओसी की सदस्य नीता अंबानी को धन्यवाद देना चाहूंगी। इंडिया हाउस में खेल प्रशंसकों के लिए विशेष वॉच पार्टियां आयोजित की जाएंगी।

दक्षिण अफ्रीका को हराना मुश्किल होगा- टी20 विश्व कप फाइनल पर रिकी पोंटिंग की दो टूक

बुखारेस्ट। (एजेंसी)। नई दिल्ली = ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना ??है कि दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ फाइनल में कुछ खास करने की जरूरत नहीं है। भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहने के साथ फाइनल में उतरेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने टूर्नामेंट में अपने ऐतिहासिक सफर में सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराया, जबकि भारत ने सेमीफाइनल में गत चैंपियन इंग्लैंड को हराकर 2011 के बाद अपना पहला विश्व कप खिताब जीता।

एडेन मार्कराम की अगुवाई वाली टीम अपना पहला विश्व कप फाइनल खेलेगी और पोंटिंग को लगता है कि यह प्रोटियाज खिलाड़ियों के लिए एक बहुत बड़ा अवसर है। पोंटिंग ने कहा कि बहुत-सी टीमें कहती हैं %यह सिर्फ एक और खेल है% और वे

इस अवसर से बचने की कोशिश करती हैं कि यह कितना बड़ा अवसर है। यह सब इसे वैसे ही स्वीकार करने के बारे में है जैसा यह है। उन्होंने कहा कि ये खिलाड़ी पहले वहां नहीं गए हैं, इसलिए आज रात का आनंद लें, कल का आनंद लें। सुनिश्चित करें कि आप जो कुछ भी नेतृत्व करते हैं वह वही है और आपकी तैयारी भी वही है।

पोंटिंग ने कहा कि टूर्नामेंट में अब तक के बढ़िया प्रदर्शन के बाद दक्षिण अफ्रीका फाइनल में भारत के खिलाफ अपने कौशल का समर्थन करना जारी रखेगा। वे यहां तक ??अपराजित हैं, इसलिए उन्हें कुछ भी बदलने की जरूरत नहीं है और उन्हें और अधिक प्रयास करने की जरूरत नहीं है। उन्हें बस आगे बढ़ने और खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने और एक टीम के रूप में खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने की जरूरत है। दिन और खुद को सर्वश्रेष्ठ मौका दें अगर वे ऐसा करते हैं, तो उन्हें हराना मुश्किल होगा।

बता दें कि भारत और दक्षिण अफ्रीका शनिवार, 29 जून को बारबाडोस में फाइनल के दौरान आमने-सामने होंगे। दक्षिण अफ्रीका ने फाइनल तक पहुंचने के लिए अपने सभी मुकाबले जीते हैं। वहीं, भारतीय टीम भी अब तक अजेय रही है।

फ्लावर और मूडी ने तारोबा की पिच को खराब बताया

-यहीं हुआ था दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान का मुकाबला

तारोबा। जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एंडी फ्लावर ओर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच यहां हुए पहले सेमीफाइनल की पिच खराब थी। फ्लावर के अनुसार असामान्य उछाल और सीम मूवमेंट के कारण इस पिच को खतरनाक कहा जा सकता है। इस पिच पर दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को केवल 56 रनों पर समेटने के बाद नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया था। फ्लावर ने कहा कि आप टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के अफगानिस्तान के फैसले को गलत नहीं मान सकते। वह इस टूर्नामेंट में पहले बल्लेबाजी कर लक्ष्य का बचाव करने के मामले में शानदार रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पिच पर हालांकि पहले बल्लेबाजी करना काफी कठिन था। आपको यह नहीं पता था कि इस पिच पर संघर्ष करने के लिए कितने रनों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि कुछ गेंदें बल्लेबाज के करीब टप्पा खाने के बावजूद कंधे और गर्दन तक उछल रही थी। ऐसी एक गेंद विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक के ऊपर से चार रन के लिए चली गयी। मैं इस बात को लेकर खुश हूं कि कोई चोटिल नहीं हुआ।

फ्लावर ने कहा कि पिच में मौजूद दरारों को देखकर पता चल गया था कि इसमें गेंदबाजों को असामान्य उछाल मिलेगा। उन्होंने कहा कि आपने स्कायर क्षेत्र के ऊपर से कुछ दिलचस्प दृश्य शॉट देखे और कुछ लोग इसे पूरी तरह से नई पिच बता रहे थे लेकिन अगर इस पिच की स्थिति खराब थी तो वे उस पिच का इस्तेमाल कर सकते थे जो पहले इस्तेमाल की गई थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया क्रिकेटर टॉम मूडी ने भी कहा कि मुझे नहीं लगता कि आप इस प्रकार की पिच को किसी भी खेल में देखना चाहेंगे। मैदान पर बल्लेबाजों और गेंदबाजों को समान सहायता मिलनी चाहिये।

टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं मिचेल मार्श

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का प्रदर्शन इस बार आईसीसी टी20 विश्वकप में खराब रहा और टीम सेमीफाइन में नहीं पहुंच पायी। उसे सुपर आठ में अफगानिस्तान जैसी नई टीम से भी हार का सामना करना पड़ा। उसके कप्तान मिचेल मार्श का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। जिसके बाद से ही वह आलोचकों के निशाने पर हैं। मार्श की 2021 टी20 विश्वकप जीत में अहम भूमिका रही थी। इसी कारण उन्हें इस बार कप्तान बनाया गया था पर ये फैसला ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए नुकसानदेह रहा। टीम सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी। खराब कप्तानी के अलावा मार्श ने कई कैच भी छोड़े। वह 7 मैचों में 20.83 के औसत और 116.82 के स्ट्राइक रेट से 125 रन ही बना पायी। गेंदबाजी के लिए फिट घोषित किए जाने के बावजूद उन्होंने एक भी ओवर नहीं

किया। उनकी फील्डिंग की तो जमकर आलोचना हुई। टूर्नामेंट के दौरान मार्श ने आधा दर्जन से अधिक कैच गिराये। इसमें से कुछ तो बेहद आसान थे। इसमें सुपर 8 में भारत के खिलाफ हार्दिक पंड्या का कैच भी शामिल था।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ फील्डिंग ऑस्ट्रेलिया टीम का मजबूत पहलू है पर टी20 विश्वकप 2024 में ऑस?ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने 14 कैच गिरा दिये। 7 कैच तो मार्श ने ही गिरा दिये। स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में ही उन्होंने 3 कैच छोड़े। टीम इंडिया के खिलाफ सुपर 8 के अहम मैच में मार्श ने एडम जंपा की गेंद पर बैकवर्ड पॉइंट पर पंड्या का आसान कैच छोड़ा था। पंड्या उस समय केवल 4 रन पर थे। यह कैच कंगारू टीम को महंगा पड़ा था। उसके बाद पंड्या ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 27 रन बनाते हुए भारतीय टीम को 200 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मैच में भारत के खिलाफ मिली इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया का सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी काफी कम होकर बांग्लादेश और अफगानिस्तान मुकाबले पर टिक गयीं थीं। वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में मिचेल स्टॉर्क की जगह एस्टन एगर को शामिल करने और पहले गेंदबाजी कारने का मार्श का फैसला भी ऑस्ट्रेलिया के कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने सही नहीं माना था क्योंकि किंग्सटाउन मैदान पर टी20 विश्वकप में अब तक कभी भी दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम नहीं जीती थी। दूसरी पारी के दौरान पिच और धीमी हो जाती है। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन की हार का सामना करना पड़ा था। कप्तान और प्लेयर के तौर पर नाकामी के अलावा मार्श का रवैया भी लोगों ने पसंद नहीं किया है। टीम की अफगानिस्तान के खिलाफ हार और भारत के खिलाफ अहम मैच से पहले, मार्श की बयानबाजी भी सही नहीं मानी गयी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ग्रीष्मकालीन भिंडी उत्पादन की उन्नत तकनीक

ग्रीष्मकालीन सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है। ग्रीष्मकाल में भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते है। मुख्य रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट खनिज लवणों के अतिरिक्त विटामिन 'ए', 'सी' थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है। इस लेख में ग्रीष्मकालीन भिंडी की उत्पादन तकनीक की विवेचना की गयी है:-

जलवायु एवं भूमि की तैयारी:- भिंडी के उत्पादन हेतु गर्म मौसम अनुकुल होता है। बीजों के अंकुरण हेतु 20 सेंटीग्रेड से कम का तापमान प्रतिकूल होता है। 42 सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर फूल का परागण नहीं होता है एवं फूल गिर जाते है।

सामान्यतः भिंडी की खेती सभी प्रकार की भूमियों पर की जा सकती है परन्तु हल्की दोमट मिट्टी जिसमें पर्याप्त मात्रा में जीवांश उपलब्ध हो एवं उचित जल निकास की सुविधा हो, भिंडी की खेती हेतु श्रेष्ठ होती हैं। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भूरभूरा कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

उन्नत किस्में- अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति, पूसा-ए-4, वर्षा उपहार,

बीज एवं बीजोपचार:- ग्रीष्मकालीन फसल हेतु 18-20 कि.ग्रा. बीज एक हेक्टर बुवाई के लिए पर्याप्त होता है जबकि वर्षाकालीन फसल में अधिक बढ़वार की कारण 12-15 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर उपयोग करना चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी के बीजों को बुवाई के पूर्व 12-24 घंटे तक पानी में डुबाकर रखने से अच्छा अंकुरण होता है। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम थायरम या कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीजदर से उपचारित करना चाहिए। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है।

बुवाईः- ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में की जाती है। फिर भी अगेती फसल हेतु छत्तीसगढ़ क्षेत्र में 15 जनवरी के बाद भी बुवाई की जा सकती हे। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे की मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है।

पोषण प्रबंधनः- भिंडी की बुवाई के दो सप्ताह पूर्व 250-300 क्विंटल सड़ा हुआ गोबर खाद मिट्टी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। प्रमुख तत्वों में नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश क्रमशः 60 कि.ग्रा., 30 कि.ग्रा. एवं 50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

जलप्रबंधनः- यदि भूमि में पर्याप्त नमी न हो तो बुवाई के पूर्व एक सिंचाई करनी चाहिए। गर्मी के मौसम में प्रत्येक पांच से सात दिन के अंतराल पर सिंचाई आवश्यक होती है। बरसात में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा अतिवृष्टि के समय उचित जलनिकास प्रबंध करना चाहिए।

निदाई-गुड़ाईः- नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक नींदानाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। बासालिन को 1.2 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व को प्रति हेक्टर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

फल की तोड़ाई एवं उपजः- किस्म की गुणता के अनुसार 45-60 दिनों में फलों की तुड़ाई प्रारंभ की जाती है एवं 4 से 5 दिनों के अंतराल पर नियमित तुड़ाई की जानी चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी फसल में उत्पादन 60-70 क्विंटल प्रति हेक्टर तक होता है।

पौध संरक्षणः- भिंडी के प्रमुख रोग पीत शिरा मौजक एवं चूर्णिल आसिता एवं नुकसानदायक कीट प्ररोह एवं फल छेदक तथा जैसिड है।

पीत शिरा रोगः- यह भिंडी की फसल में नुकसान पहुचाने वाला प्रमुख रोग है। इस रोग के प्रकोप से सर्वप्रथम पत्तियों की शिराएं पीली पड़ने लगती है। तत्पश्चात पूरी पत्तियाँ एवं फल भी पीले रंग के हो जाते है पौधे की बढ़वार रुक जाती है। वर्षा ऋतु में इस रोग का संक्रमण अधिक होता है।

सर्वप्रथम इस रोग के लक्षण वाले पौधे दिखाई देते ही उन्हें उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। यह विषाणु जनित रोग सफेद मक्खी कीट द्वारा स्वस्थ पौधों में फैलाया जाता है। अतः रोग संवाहक कीट के नियंत्रण हेतु आक्सी मिथाइल डेमेटान 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने से रोग का प्रसारण कम होता है। पीतशिरा रोग प्रतिरोधी किस्मों जैसे अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति इत्यादि का चुनाव करना चाहिए। फसल के चारों ओर 2-3 कतार मक्का बोने से भी रोग का फैलाव नियंत्रित किया जा सकता है।

चूर्णिल आसिताः- इस रोग में भिंडी की पुरानी निचली पत्तियों पर सफेद चूर्ण युक्त हल्के पीले धब्बे पड़ने लगते है। ये सफेद चूर्ण वाले धब्बे काफी तेजी से फैलते है। इस रोग का नियंत्रण न करने पर पैदावार 30 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इस रोग के नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 या 3 बार 12-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।

प्ररोह एवं फल छेदकः- इस कीट का प्रकोप वर्षा ऋतु में अधिक होता है। प्रारंभिक अवस्था में इल्ली कोमल तने में छेद करती है जिससे तना सूख जाता है। फूलों पर इसके आक्रमण से फल लगने के पूर्व फूल गिर जाते है। फल लगने पर इल्ली छेदकर उनको खाती है जिससे फल मुड़ जाते हैं एवं खाने योग्य नहीं रहते है।

जैसिडः- ये सुक्ष्म आकार के कीट पत्तियों, कोमल तने एवं फल से रस चूसकर नुकसान पहुंचाते है।

फल छेदक के द्वारा आक्रमण किये गये फलों एवं तने को काटकर नष्ट कर देना चाहिए। क्विनॉलफास 25 ई.सी. 1.5 मिली लीटर या इंडोसल्फान 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी की दर से कीट प्रकोप की मात्रा के अनुसार 2-3 बार छिड़काव करने से जैसिड एवं फल प्ररोह छेदक कीटों का प्रभावी नियंत्रण होता है। फल बनने के उपरांत कीट प्रकोप होने पर 'फेनवेलरेट' 0.5 मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर उपर्युक्त बनाये कीटनाशक के साथ अदल-बदल कर प्रयोग करें।

कैसे करें संरक्षित खेती

संरक्षित खेती का मुख्य उद्देश्य सब्जी फसलों को मुख्य जैविक या अजैविक कारकों से बचाकर उगाना होता है। इसमें फसल को किसी एक कारक या कई कारकों से बचाकर उगाया जा सकता है।

संरक्षित सब्जी उत्पादन के लिए सब्जी उत्पादकों को संरक्षित खेती व विभिन्न संरक्षित संरचनाओं की पूर्ण जानकारी होना बहुत आवश्यक है। उसके बाद ही उत्पादक तय कर सकता है कि वह किस प्रकार की संरक्षित तकनीक अपनाकर बेमौसमी सबजियों का उत्पादन करे। कौन कौन सी संरक्षित प्रौद्योगिकीयॉ हैं जिनमे वह सबजियों को वर्ष भर उगा सकता है। संरक्षित संरचनाओं को बनाने के बाद में रख रखाव में क्या व्यय होगा तथा उच्च गुणवत्ता वाली सबजियों को वह किस बाजार में बेचकर अधिक लाभ कमा सकता है। इन सभी विषयों की जानकारी आवश्यक है।

मुख्यतः सब्जी उत्पादन हेतू उचित व उपयुक्त संरक्षित प्रौद्योगिकी की आवश्यकता उस क्षेत्र की जलवायु पर निर्भर करती है। लेकिन इसके अलावा किसान की आर्थिक दशा, टिकाऊ व उच्च बाजारकी उपलब्धता व बिजली की उपलब्ध्ता आदि कारक भी इसको निर्धारित करते है। सब्जीयों के बेमौसमी उत्पादन हेतू मुख्यत : वातावरण अनुकूलित ग्रीनहाउस, प्राकृतिक वायु संचारित ग्रीनहाउस, कम लागत वाले पॉलीहाउस, वाक-इन-टनल, कीट अवरोधी नेटहाउस तथा लो प्लास्टिक टनल आदि संरचनाओं का उपयोग किया जाता है।

बेमौसमी सब्जियों की संरक्षित खेती के लिए सबजियों की पौध प्लग ट्रे पद्धती से ग्रीनहाउस मे तैयार की जाती है। तथा उसके बाद पौधो को उपयुक्त संरक्षित संरचना में रोपाई करते है।

वाक-इन- टनल तकनीक

वाक-इन- टनल एक प्रकार की अस्थाई संरक्षित संरचना है जो आधा इंच मोटाई के जंग रोधी पाईपों को अर्धगोलाकार आकार मे मोडकर तथा इन्हे सरियों के टुकडो के सहारे खेत में खडा करके उसके उपर पारदर्शी प्लास्टिक की चादर से ढककर बनाया जाता है। इसके मध्य में ऊंचाई लगभग 6 से 6.5 फुट तथा जमीन पर एक सिरे से दूसरे सिरे तक चौडाई 4 मीटर तक होती है।

इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं को सर्दी के मौसम में बेमोसमी सब्जी जैसे लोकी, खरबूजा, तरबूज, खीरा, चप्पनकद्दू , तथा अन्य कद्दू वर्गीय सब्जीयां उगाने के लिए किया जाता है। इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं में दिन के समय जब सूर्य की रोशनी प्लास्टिक पर मडती है तो टनल के अन्दर का तापमान काफी (लगभग 10 से 12 डि.ग्री से.) बढ जाता है । जिससे कद्दू वर्गीय सब्जीयों को कम तापमान के दिनो में भी बढवार करने में सफलता मिल जाती है।

वाक-इन- टनल की लम्बाई आवश्यकता अनुसार बढाई जा सकती है। लेकिन सामान्यत- इनकी लम्बाई 25 से 30 मीटर होती है। इसके तीन प्रमुख कारण हैं- प्लास्टिक की चादर की उपलब्ध माप, टनल में हवा का आदान प्रदान, तथा इस लम्बाई के टनल में मधुमक्खीयों को भी परागण कार्य करने में कोई असुविधा नही होती। इन संरचनाओं को बनाने में लागत भी बहुत कम ही आती है। तथा अस्थाई होने के कारण इनकी देखभाल भी सरलता पूर्वक की जा सकती है।

इन संरचनाओं का उपयोग केवल सर्दी के मौसम (दिसम्बर जनवरी व फरवरी माह) में ही फसल उत्पादन के लिए किया जा सकता है। क्योकि सर्दी के बाद इसके अंदर का तापमान बहुत अधिक बढ जाता है तथा हवा का अधिक आदान प्रदान न होने के कारण तब इनमे फसल उगाना संभव नही होता है। यही नही इनका उपयोग पहाडी क्षेत्रों मे और भी लम्बे समय तक सब्जी उत्पादन के लिए किया जाता है। इसी प्रकार इन संरचनाओं को ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों मे भी सब्जी उत्पादन के लिए उपयोग मे लाना सम्भव है।

छतरपुर के गांधी आश्रम में जैविक खेती का अद्भुत प्रयोग

यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले हैं - संजय और दमयंती। जिस बुंदेलखंड में पिछले पांच सालों में भयंकर सूखे से किसानों की कमर टूट गई है, उसी धरती पर एक जगह ऐसी भी है, जहां खुशियों की खेती लहलहा रही है। विदर्भ के बाद मध्यप्रदेश में किसानों की बढ़ती आत्महत्याओं के बीच खेती का यह प्रयोग एक मिसाल पेश करता है। यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले है संजय और दमयंती और जगह है छतरपुर।

टिकाऊ खेती की बात से पहले आपको थोड़ा सा इतिहास जानना जरूरी होगा। गांधी आश्रम छतरपुर ऐतिहासिक महत्व की जगह है। अंग्रेजी शासन काल के बाद दीवान साहब के बंगले से यह जगह गांधी विचारों को आगे ले जाने का एक केन्द्र बनी। तत्कालीन दीवान ने विनोबा के भूदान आंदोलन से प्रेरित होकर इस बंगले और बंगले से लगी जमीन को गांधी विचारों के लिए समर्पित कर दिया। उसके बाद इसे गांधी आश्रम के नाम से विकसित किया गया। सांस्कृतिक-साहित्यिक-सामाजिक गतिविधियों को यहां से संचालित किया जाता रहा। सत्तर के दशक में जब चंबल में डाकुओं का आतंक अपने चरम पर पहुंचकर आत्मसमर्पण की ओर बढ़ा तब इस प्रक्रिया की बुनियाद इसी आश्रम के पुस्तकालय से पड़ी। जयप्रकाश नारायण के साथ यहां डाकुओं की बातचीत हुई और इसके बाद डाकुओं ने आत्मसमर्पण भी किए। गांधी का ग्रामस्वराज, बुनियादी तालीम और टिकाऊ विकास की अवधारणाओं की झलक इस छोटे से आश्रम में दिखाई देती है। बीच में एक लंबा दौर ऐसा भी आया जब यह आश्रम भूमाफियों और सामाजिक गतिविधियों के केन्द्र में तब्दील हो गया।

2006 में गांधी विचारों से जुड़े संजय और दमयंती जब इस जगह आए तो उन्होंने ठान लिया कि यहां की तस्वीर को बदलने के लिए वह कठिन परिश्रम करेंगे। खेती-किसानी और प्रकृत्ति प्रेमी भाई ने इस आश्रम से लगे लगभग चालीस एकड़ खेत में जैविक खेती के प्रयोग को शुरू करने की योजना बनाई। एक ओर जहां नकद फसलों ने फसलों की विविधता को खत्म कर दिया है वहीं इस आश्रम में उन्होंने अलग-अलग फसलों को अपनाया। इस छोटी सी जमीन पर गेहूं, चना, सरसों, अरहर, ज्वार, मक्का, जौं सहित ऐसी फसलें लीं जो सीधे-सीधे किसान अपने खाने के लिए भी उपयोग करते हैं। दरअसल खेती का परंपरागत तरीका था भी यहीं कि किसान ज्यादातर खाद्यान्न और मसाले अपने खेतों में पैदा किया करते थे और उन्हें हर चीज के लिए बाजार की ओर मुंह नहीं देखना पड़ता था, अब किसान गेहूं-सोयाबीन पैदा तो खूब कर रहे हैं, लेकिन दाल-मसालों के लिए वह बाजार पर निर्भर है। खेती की इस विविधता से आश्रम की व्यवस्थाएं भी स्वतः संचालित होती है। यहां तक की सब्जी और फलों का उत्पादन भी आश्रम से ही हो जाता है। इस खेती की सबसे बड़ी बात यह है कि पिछले चार सालों से यहां रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया। वर्मी कम्पोस्ट और गोमूत्र के जरिए यहां की फसलों को जान मिलती है। 40 एकड़ के इस क्षेत्र को आश्रम के केवल सात कार्यकर्ता अंजाम देते हैं। संजय भाई बताते हैं कि आज के इस दौर में जैविक खेती करना थोड़ा कठिन जरूर लग सकता है पर यह असंभव कतई नहीं है। हम अपने खेतों में उतना ही समय खर्च करते हैं जितना दूसरे किसान। पर यहां आपको यह समझना होगा कि जमीन क्या चाहती है। किस तरह की जमीन पर किस तरह के फसल ठीक रहेगी यह समझना होगा।इस आश्रम की एक खास बात यह है कि आप यहां पूरी तरह जैविक भोजन का आनंद ले सकते हैं। यहां तक की दाल-मसाले और तेल भी खुद की उगाई गई तिल का। इस आश्रम में चल रही खेती के प्रयोग को समझने फ्रांस के निकोलस आए हैं। निकोलस कहते हैं कि 'वह भारत में जैविक खेती के अलग-अलग प्रयोगों को उन्होंने देखा, लेकिन यह प्रयोग सबसे अद्भुत है। इसलिए भी क्योंकि यह गांधी के विचारों से जुड़ा हुआ है। गांधी ग्राम स्वराज की बात करते थे और गांव की अर्थव्यवस्था के एक मॉडल की बात करते थे जहां कि ग्रामवासी आपसी व्यवहार में अपने साझा जीवन को अंजाम देते थे। यह प्रयोग अपने आप में दिलचस्प है।' यही कारण है कि वह न केवल इस खेती पर अध्ययन कर रहे हैं बल्कि इस प्रयोग के साथ इतना रम गए हैं कि वह खुद खेतों में पसीना बहाते हैं। बिहार के सामाजिक कार्यकर्ता भावेश भी इस प्रयोग के साथ जुड़कर काम कर रहे हैं। वह कहते हैं कि कम लागत की इस खेती को जीवन के साथ जोड़कर भी देखा जाना जरूरी है।

शख्स ने नासा पर ठोका 80,000 डॉलर का मुकदमा, घर पर अंतरिक्ष से गिरा मलबा, छत से लेकर फर्श तक कर दिया छेद

वाशिंगटन । अमेरिका में एक शख्स को नासा बड़ा सदमा दे गया, जिसके बाद उक्त शख्स ने अंतरिक्ष एजेंसी के खिलाफ मुकदमा ठोक दिया है। यह शख्स अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित नेपल्स का रहने वाला है। उसने नासा से 80,000 डॉलर यानी करीब 67 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना इस साल 8 मार्च की है। नेपल्स में एलेयांद्रो ओटेरो के घर पर अंतरिक्ष से एक बड़ा सा मलबा आ गिर गया। इस मलबे ने उनके घर की छत से लेकर फर्श तक में छेद कर दिया। इस घटना के वक्त एलेयांद्रो अपने परिवार के साथ छुट्टी मनाने गए हुए थे। घर पर सिर्फ उनका बेटा डैनियल मौजूद था, जिसने उन्हें फोन करके इसके बारे में बताया। ओटेरा ने बताया, 'मैं यह सुनकर कांप रहा था। मैं पूरी तरह से हैरान था। मैं सोच रहा था कि आखिर हमारे घर पर इतनी ताकत से कौन सी चीज गिर गई, जिससे इतना नुकसान हो गया।'एलेयांद्रो ने घर पहुंचकर देखा तो उन्होंने 41.6 इंच का एक सिलेंडर दिखा, जिसका वजन करीब 1.6 पाउंड यानी करीब 700 ग्राम था। वह सोच रहे थे कि आखिर ये चीज़ कहां से आई, जिसने उनके घर को तबाह कर दिया। नासा ने बाद में पुष्टि की कि यह सिलेंडर उसके स्पेस स्टेशन से निकला था। उसने बताया कि इसका इस्तेमाल कार्गो पैलेट पर पुरानी बैटरियों को माउंट करने के लिए किया जाता था। इसे 2021 स्पेस स्टेशन से छोड़ा गया था। ऐसी चीज़े के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही पूरी तरह से जल जाती है, हालांकि यह एक टुकड़ा बच गया और अंतरिक्ष में करीब 3 साल मंडराने के बाद ओटेरो परिवार की प्रॉपर्टी पर गिर गया।वहीं ओटैरा परिवार के वकील मीका गुयेन वर्थी ने इस मुद्दे की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा, 'मेरे मुवक्किल इस घटना से उनके जीवन पर पड़ने वाले तनाव और प्रभाव के लिए पर्याप्त मुआवजे की मांग कर रहे हैं। वे शुक्रगुजार हैं कि इस घटना से किसी को भी शारीरिक चोट नहीं लगी, लेकिन इस तरह की स्थिति भयावह हो सकती थी। अगर मलबा दूसरी दिशा में कुछ फीट दूर गिरता, तो गंभीर चोट या मौत हो सकती थी।' वर्थी ने यह भी बताया कि इस केस का मकसद निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में अंतरिक्ष मलबे के दावों के लिए एक मिसाल कायम करना है। वहीं नासा को इस मामले ओटेरो परिवार की तरफ से मांगे गए मुआवजे का जवाब देने के लिए छह महीने का समय दिया गया है। बता दें कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के नाम पर कई रिकॉर्ड दर्ज हैं। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में इस एजेंसी का नाम लोग बड़े सम्मान से लेते हैं।

प्रेमी ने तोडा वादा तो कोर्ट पहुंची लडकी , प्रेमी पर लगाया 'वर्बल कॉन्ट्रैक्ट' के उल्लंघन का आरोप

क्राइस्टचर्च । एक लडकी के ब्वॉयफ्रेंड ने उससे किया गया वादा नहीं निभाया, तो वह कोर्ट पहुंच गई और प्रेमी पर 'वर्बल कॉन्ट्रैक्ट' के उल्लंघन का आरोप लगाया। न्यूज़ीलैंड की रहने वाली एक प्रेमिका ये बर्दाश्त नहीं कर पाई कि उसके प्रेमी ने उससे जो वादा किया, वो पूरा नहीं किया। अब ये प्रॉमिस कोई शादी को लेकर नहीं था बल्कि बात इतनी सी थी कि उसने लड़की को एयरपोर्ट छोड़ने के लिए कहा था, लेकिन वो नहीं गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यूज़ीलैंड की रहने वाली एक लड़की ने अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड पर 'वर्बल कॉन्ट्रैक्ट' का उल्लंघन करने का केस ठोका है। पढ़ने में ये बात जितनी भारी-भरकम है, मामला उतना ही मज़ेदार है। दरअसल हुआ यूं कि लड़की को एक म्यूज़िक कॉन्सर्ट के लिए दूसरे शहर में जाना था। प्रेमी ने कहा था कि वो उसे एयरपोर्ट तक छोड़ देगा और उसकी गैर हाजिरी में दो दिन तक उसके दो पेट डॉग्स का भी ख्याल रखेगा। हालात ऐसे बने कि लड़का उसे छोड़ने नहीं आ सका और लड़की की फ्लाइट छूट गई। लड़की ने डिस्प्यूट ट्रिब्यूनल को बताया कि वो साढ़े 6 साल से रिलेशनशिप में है। ऐन वक्त पर ब्वॉयफ्रेंड ने मैसेज का रिप्लाई नहीं दिया और उसे अपनी ट्रिप कैंसिल करनी पड़ी। अगले दिन जाने पर उसके काफी पैसे खर्च हो गए और इसकी वजह सिर्फ उसका वादा न पूरा करना थी। मामले में अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि जब तक आप कानूनी रूप से बाध्यकारी किसी रिश्त में नहीं हैं, तब तक इस तरह का दबाव नहीं डाला जा सकता यानि लड़की को निराश होना पड़ा। बता दें प्रेमी-प्रेमिका का रिश्ता ही नोकझोंक से भरा होता है। कभी प्यार तो कभी तकरार से ही ये रिलेशनशिप आगे बढ़ता है।

ब्रिटेन में 4 जुलाई को वोटिंग

लंदन। ब्रिटेन में भारतवंशी पीएम ऋषि सुनक और उनकी कंजरवेटिव पार्टी का जल्द चुनाव का दांव फेल होता दिख रहा है। एक सप्ताह बाद 4 जुलाई को होने वाली वोटिंग से पहले अधिकांश सर्वे में कंजरवेटिव पार्टी के सफाए की भविष्यवाणी कर रहे हैं। सर्वे में सुनक की पार्टी को सबसे ज्यादा 117 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं, सावंता-गार्जियन के सर्वे में दावा किया गया है कि कंजरवेटिव पार्टी 53 सीटों पर ही सिमट सकती है। जो 2019 के चुनाव की 365 सीटों की तुलना में बेहद कम है। वहीं, 650 सीटों वाले सदन में कीर स्टारमर की लेबर पार्टी को सबसे कम 425 और अधिकतम 516 सीटें मिलने का अनुमान है। 7 सर्वे के औसत में भी सुनक को 95 और स्टारमर को 453 सीटें मिलती दिख रही है।

रहने के हिसाब से सबसे खराब शहर में शामिल हुआ कराची

नई दिल्ली । पाकिस्तान के शहर कराची को दुनिया के सबसे कम रहने योग्य 5 शहरों में से एक का दर्जा मिला है। हाल ही में हुए वैश्विक सर्वे में कराची को बेहद खराब रैंकिंग मिली है। पाकिस्तान का बंदरगाह शहर कराची कभी अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक शिक्षा के लिए मशहूर था लेकिन अब पाकिस्तान की तरह ही इसकी हालत भी बदतर हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सर्वे एजेंसी ने स्वास्थ्य देखभाल, संस्कृति और पर्यावरण, स्थिरता, इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा सहित कई महत्वपूर्ण कारकों पर दुनिया भर के 173 शहरों की रैंकिंग की है। इस सूची में कराची 169वें स्थान पर है। कराची को कुल 42.7 स्कोर मिला है। स्थिरता संकेतक में कराची ने बेहद खराब प्रदर्शन करते हुए 100 में से महज 20 अंक हासिल किए। कराची को स्वास्थ्य के लिए 54.2, संस्कृति और पर्यावरण के लिए 35.9, शिक्षा के लिए 75 और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 51.8 अंक मिले। सर्वे में कराची को दुनिया के सबसे कम रहने योग्य 5 शहरों में रखा गया है। सीरिया की राजधानी दमिश्क को दुनिया में सबसे कम रहने योग्य शहर माना गया है। नीचे से दूसरे स्थान पर लीबिया की राजधानी त्रिपोली, तीसरे पर अल्जीरिया का शहर अल्जीयर्स, चौथे पर नाइजीरिया का लागोस और पांचवें स्थान पर कराची है। वहीं ऑस्ट्रिया की राजधानी पिछले कई सालों की तरह इस बार भी दुनिया का सबसे ज्यादा रहने योग्य शहर है। 98.4 अंकों के साथ यह लिस्ट में शीर्ष पर कायम है। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन ने भी अपना दूसरा स्थान कायम रखा है, जबकि स्विट्जरलैंड का ज्यूरिख पहले छठे स्थान पर था जो अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

खून देखकर मिलती है खुशी.....10 साल की उम्र में कर दिया मर्डर

लंदन । आप क्राइम थ्रिलर और मर्डर से जुड़ी खबरों में दिलचस्पी रखतें हैं, तब ये खबर आपके लिए है। इंग्लैंड की रहने वाली मैरी बेल ने 10 साल की उम्र में, चार साल की मार्टिन ब्राउन का गला घोंटकर हत्या कर दी थी और अपने परिवार को एक नोट लिखकर इसकी जानकारी दी।

इस मर्डर के दो माह बाद मैरी बेल ने तीन साल की ब्रायन होवे को मार डाला। मैरी ने कई अन्य बच्चों का गला घोंटने का प्रयास कर अपने नोट्स में हत्या जारी रखने की इच्छा व्यक्त की। लगातार कई हत्याओं में दोषी होने के बाद मैरी पर केस दर्ज हुआ और मुकदमा चला और ये माना गया कि मैरी सिर्फ अपनी खुशी के लिए खून करती है। जिसके बाद मैरी को 12 साल की सजा हुई। मैरी की मां बेट्टी मैकक्रिकेट एक 16 साल की सेक्स वर्कर थी। वे अक्सर मेरी बैल को छोड़कर घूमने निकल जाती थी। तब मैरी बैल के साथ किस तरह का बर्ताव होता था ये कहा नहीं जा सकता। उसकी मां ने ये कोशिश की थी कि कोई उसे कोई एडोप्ट कर ले। लेकिन बात नहीं बन सकी। बताया जाता है बचपन में ठीक से परवरिश न मिलने के कारण मैरी का व्यवहार ऐसा हुआ है। हत्या के मामले में मैरी और नोर्मा को स्कूल के बाहर पकड़ा गया था, लेकिन तुरंत रिहा कर दिया गया। मार्टिन की हत्या के बारे में मैरी के दावों को शुरू में ध्यान आकर्षित करने वाला बताकर खारिज कर दिया गया था। लेकिन मैरी की तरफ से हत्या की घटनाएं बंद नहीं हो रही थीं। इसके बाद मैरी के खतरनाक स्वभाव और बच्चों के प्रति उसके खतरे को देखते हुए, मैरी बेल को अनिश्चितकालीन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

ताइवान की सैना में शामिल नये सैनिक निशाना लगाने का अभ्यास करते हुए।

अंतरिक्ष में अचानक टूटा सैटेलाइट, अंतरिक्ष यात्रियों ने स्पेसक्राफ्ट में छिपकर बचाई जान

मॉस्को। रूस का एक ऑब्जरेशन सैटलाइट अंतरिक्ष में अचानक टूटकर सैकड़ों टुकड़ों में बिखर गया। इसके मलबे से बचने के लिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के अंतरिक्षयात्रियों ने स्पेसक्राफ्ट में छिपकर अपनी जान बचाई। हालांकि सैटलाइट के टूटने की वजह का पता नहीं चल पाया है। वहीं इस घटना पर रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोसमोस ने भी कोई टिप्पणी नहीं की है। अमेरिका के स्पेस कमांड का कहना है कि सैटलाइट के मलबे से फिलहाल किसी दूसरे सैटलाइट को नुकसान पहुंचने की आशंका नहीं है। बता दें कि रूस के इस रीसर्स पी-1 सैटलाइट को 2022 में ही मृत घोषित कर दिया गया था। अमेरिका की एक स्पेस ट्रैकिंग फर्म लियोलैब्स ने देखा था कि अंतरिक्ष में अचानक मृत सैटलाइट कम से कम 100 टुकड़ों में टूट गया। अब इसके बड़े-बड़े टुकड़े पृथ्वी की कक्षा में घूम रहे हैं। पृथ्वी की कक्षा में बढ़ते सैटलाइट और फिर उनकी वजह से बढ़ने वाला मलबा चिंता का कारण बन रहा है। साल 2021 में रूस ने अपने एक सैटलाइट को एंटी सैटलाइट मिसाइल द्वारा अंतरिक्ष में ही नष्ट कर दिया था। इसके बाद पश्चिमी देशों ने रूस की कड़ी आलोचना की थी। मिसाइल से सैटलाइट को नष्ट करने के बाद इसके हजारों बड़े-बड़े टुकड़े पृथ्वी की कक्षा में फैल गए। वहीं रीसर्स पी-1 को लेकर अभी इस तरह की बात पता नहीं चली है। रूस द्वारा किसी तरह के एंटी मिसाइल लॉन्च की खबर सामने नहीं आई है। दरअसल जब किसी सैटलाइट का आखिरी समय आता है तो या तो वह धीरे-धीरे पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश करने लगता है और फिर जलकर राख हो जाता है। वहीं कई सैटलाइट पृथ्वी की ग्रेवयार्ड ऑर्बिट में चले जाते हैं। यह पृथ्वी से 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई की कक्षा है जिसमें दूसरे सैटलाइट से टकराने का खतरा कम हो जाता है।

कजाकिस्तान में एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे पीएम मोदी, जयशंकर करेंगे भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3-4 जुलाई को कजाकिस्तान में आगामी शंघाई सहयोग संगठन (एससी) शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे और विदेश मंत्री एस जयशंकर बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, जहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन होंगे। चीन के शी जिनपिंग के भाग लेने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने गुरुवार को नई दिल्ली में अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि एससीओ में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री करेंगे। यह एससीओ शिखर सम्मेलन 3 से 4 जुलाई के बीच होना है। इसलिए विदेश मंत्री वहां हमारे प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

इससे पहले, कई रिपोर्टों में अनुमान लगाया गया था कि पीएम मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे, जबकि नई लोकसभा का पहला संसदीय सत्र चल रहा है। जयशंकर के शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद थी जहां पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के भाग लेने की संभावना है।

पिछले साल, भारत ने वस्तुतः एससीओ शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी, जहां विदेश मंत्री जयशंकर ने तत्कालीन पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की उपस्थिति में आतंकवाद पर चिंता व्यक्त की थी। पुतिन ने शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया और आतंकवाद, उग्रवाद और नशीली दवाओं की तस्करी से निपटने के लिए आपसी सहयोग पर नई दिल्ली घोषणा का समर्थन किया।

एससीओ क्या है?

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का गठन 2001 में चीन द्वारा किया गया था। इसके सदस्यों में भारत, रूस, चीन, पाकिस्तान और चार मध्य एशियाई देश - कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। 2017 में भारत और पाकिस्तान इसके स्थायी सदस्य बने। भारत को 2005 में एससीओ में पर्यवेक्षक बनाया गया था और उसने आम तौर पर समूह की मंत्री-स्तरीय बैठकों में भाग लिया है, जो मुख्य रूप से यूरेशियन क्षेत्र में सुरक्षा और आर्थिक सहयोग पर केंद्रित हैं। एससीओ एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा ब्लॉक है और सबसे बड़े अंतरक्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है।

भारतीय मजूदर की मौत पर...इटली की पीएम हुईं भावुक, खाई कसम

रोम (एजेंसी)। इटली में भारतीय नागरिक सतनाम की मौत से पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इस घटना से इटली को सबसे ज्यादा झटका लगा है। पूरी दुनिया में इटली की छवि धूमिल हुई है, क्योंकि देश में काम करने गए एक भारतीय मजदूर की मौत हो गई। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को इस बात से बड़ा गुस्सा है। जॉर्जिया मेलोनी का मन अशांत है। संसद में सिंह का नाम लेकर जिस तरीके से जॉर्जिया मेलोनी भावुक हुईं। उसके बाद पूरी दुनिया की निगाहें मानों इटली पर आकर रूक गई। रूंधे गले से न सिर्फ उस शख्स का नाम मेलोनी ने लिया बल्कि कुछ ऐसा कहा कि संसद में मौजूद हर सांसद सीट से खड़ा हो गया। फिर पूरी संसद में केवल तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई पड़ने लगी। मेलोनी ने अमानवीय वजहों से मौत का शिकार हुए भारतीय सतनाम को संसद में श्रद्धांजलि दी और दोषियों को सख्त सजा देने का भरोसा दिया। मेलोनी ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा, मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान मेलोनी काफी भावुक दिखाई दी। इतना ही नहीं, इटली के कई ट्रेड यूनियन ने घटना को क्रूर बताया है। वे सतनाम सिंह के परिवार को आर्थिक मदद देने की भी बात कह रहे हैं।

बता दें कि इटली उस वक्त सुर्खियों में आ गया जब पंजाब के भटिंडा जिले के रहने वाले सतनाम सिंह की इटली में मौत हो गई। सिंह का लातिना में स्ट्रॉबेरी की पैकिंग करने वाली मशीन से हाथ कट गया था जिसके बाद उनके नियोक्ता ने सिंह को बिना चिकित्सा उपचार के छोड़ दिया था।

भारत ने इटली से उस भारतीय श्रमिक की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने को कहा, जिसे भारी कृषि मशीनरी से उसका हाथ कट जाने के बाद उसके नियोक्ता ने उसे बिना चिकित्सकीय सहायता के सड़क पर फेंक दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

चीन में दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित किया गया

बीजिंग । चीन के दो पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और वेई फेंगहे को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित किया गया है। इन दोनों पर अवैध रूप से उपहार और पैसे लेने और विश्वतखोरी का संदेह जताया गया है। ली शांगफू 12 मार्च 2023 से 24 अक्टूबर 2023 तक चीन के रक्षा मंत्री रहे। वहीं, वेई फेंगहे को 19 मार्च 2018 को रक्षा मंत्रालय की कमान सौंपी गई थी। वे 12 मार्च 2023 तक इस पद पर रहे। वेई फेंगहे पीएलए रॉकेट फोर्स के वरिष्ठ अधिकारी थे, जिनके कई शीर्ष कमांडरों को राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में बर्खास्त कर दिया था।

मंच पर हुए आमने-सामने : प्रेसिडेंशियल डिबेट में खूब बरसे ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर एक ही मंच पर आमने-सामने हुए हैं। नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए ट्रंप और बाइडन के बीच प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई है। वोटरों को अपने पक्ष में करने के लिए दोनों अमेरिकी जनता के सामने अपनी बातें रख रहे हैं। अटलांटा स्थित दफ्तर में पहली प्रेसिडेंशियल बहस के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडन पर जमकर हमला बोला। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि बाइडन चीन के साथ सौदा करने से डरते हैं क्योंकि उन्हें ड्रैनग से पैसा मिलता है। अब तक यह हमारे देश के इतिहास में सबसे बड़ा वित्तीय घाटा है। चीन के साथ हमारा सबसे बड़ा घाटा है। उन्हें चीन से पेमेंट मिलता है, वह एक मंचूरियन उम्मीदवार हैं।'

बता दें कि यहां कोई लाइव ऑडियंस नहीं है। जब बाइडन बोलते हैं तो ट्रंप का माइक म्यूट रहता है और जब ट्रंप बोलते हैं तो बाइडन का माइक म्यूट रहता है। जो बाइडन ने अपनी बहस की शुरुआत डोनाल्ड ट्रंप की तीखी आलोचना से की। हालांकि, बोलते वक्त वह कई बार लड़खड़ाए, जिसके बाद ट्रम्प ने तुरंत उनके शब्दों को पकड़ लिया। जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए अब तक के दो सबसे उम्रदराज उम्मीदवार हैं। डेमोक्रेटिक की ओर से जो बाइडन अपनी बातें रख रहे हैं तो वहीं रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप। यहां बताना जरूरी है कि समय से पहले इस बार यह डिबेट हो रही है। अब तक दोनों पार्टियों ने आधिकारिक तौर पर अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। लाइव डिबेट में दोनों एक-दूसरे पर वार-पलटवार कर रहे हैं।

चीन की धमकी के बाद ताइवान ने उठाया बड़ा कदम, अपने नागरिकों से की ये अपील

(एजेंसी)। ताइवान सरकार ने चीन और हांगकांग की यात्रा करने के इच्छुक नागरिकों के लिए अपनी यात्रा चेतावनी बढ़ा दी है और उनसे कहा है कि जब तक बहुत जरूरी न हो तब तक न जाएं, पिछले हफ्ते बीजिंग द्वारा उन लोगों को फांसी देने की कथित धमकी के बाद, जिन्हें वह ताइवान की स्वतंत्रता के कट्टर समर्थक मानते हैं। चीन की धमकी, जो ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है। देश और स्वतंत्रता की वकालत करने वाले ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बीच पहले से ही तनावपूर्ण तनाव को और बढ़ा दिया है। चीन ने 21 जून को देश को विभाजित करने और कानून के अनुसार अलगाव अपराधों को उकसाने और चीन की राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा के लिए ÷कट्टर÷ ताइवान स्वतंत्रता अलगाववादियों के लिए चरम मामलों में मौत की सजा देने की धमकी दी। उत्तेजक टिप्पणियों की लाई और उनकी सरकार के साथ-साथ अमेरिका ने भी निंदा की। ताइवान के मुख्यभूमि मामलों की परिषद के प्रवक्ता लियांग वेन-चीह ने संवाददाताओं से कहा कि बढ़ी हुई यात्रा चेतावनी चीन द्वारा संचालित शहरों हांगकांग और मकाऊ पर भी लागू होती है। उन्होंने कहा कि दिशानिर्देश चीन जाने वाले ताइवानी लोगों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा दर्शाते हैं, इसके अलावा चीन ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनों को मजबूत करने के लिए अन्य उपाय भी किए हैं। उन्होंने कहा कि अगर जाना ज़रूरी नहीं है, तो न जाएं। उन्होंने कहा कि यह यात्रा पर प्रतिबंध नहीं है और यह ताइवान के लोगों की रक्षा करने और उन्हें प्रति उपाय के बजाय जोखिम की याद दिलाने के बारे में है। चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। इसने बुधवार को कहा कि दिशानिर्देश केवल बहुत कम संख्या में स्वतंत्रता के कट्टरपंथियों के बुरे शब्दों और कार्यों के लिए थे।

इस साल का दूसरा सूर्य ग्रहण दो अक्टूबर को पड़ेगा

-यह पूर्ण सूर्य ग्रहण नहीं होगा, आग के एक छल्ले के रुप आएगा नजर

वॉशिंगटनसैंटफ्रांसिस्को (एजेंसी)। इस साल हमें दो सूर्य ग्रहण देखने को मिलेंगे। पहला सूर्य ग्रहण एक पूर्ण सूर्य ग्रहण था, जो अमेरिका में अप्रैल महीने में देखा गया था। यह बेहद दुर्लभ नजारा था। वहीं अगले सूर्य ग्रहण का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। अगला सूर्य ग्रहण हमें 2 अक्टूबर को दिखाई देगा। लेकिन यह पूर्ण सूर्य ग्रहण नहीं होगा। दो अक्टूबर को लगने वाला सूर्य ग्रहण एक वलयाकार सूर्य ग्रहण होगा, जिसे रिंग ऑफ फायर भी कहा जाता है। आसमान में आग का एक छल्ला दिखाई देता है। इसका कारण यह है कि अंतरिक्ष में सूर्य स्थिर रहता है। वहीं पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। चंद्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करता है और इसके साथ चलते हुए सूर्य का चक्कर लगाता है। कई बार ऐसा होता है जब घूमते हुए चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच में आ जाता है तब यह कुछ क्षण के लिए सूर्य के प्रकाश को रोक देता है, जो सूर्य ग्रहण कहलाता है। इस दौरान इसकी परछाई धरती पर पड़ती है। चंद्रमा जब धरती का चक्कर लगाता है तो इस दौरान उसकी दूरी भी बदलती रहती है। कभी वह पृथ्वी के नजदीक होता है तो कभी दूर। जब चंद्रमा पृथ्वी के करीब होता है तब इसका आकार बड़ा दिखता है। वहीं जब यह धरती से दूर होता है तो छोटा नजर आता है। सूर्य ग्रहण के दौरान अगर यह धरती के करीब होता है, तो आकार के कारण पृथ्वी से यह हमें सूर्य को पूरी तरह ढकता हुआ दिखाई देता है। लेकिन जब यह पृथ्वी से दूर होता है तो अपने छोटे आकार के कारण सूर्य के बीच के हिस्से को ही ढक पाता है। सूर्य का बाकी किनारा दिखाई देता है, जो आसमान में आग का छल्ले के रुप में नजर आता है। वलयाकार सूर्य ग्रहण को एन्यूलर सोलर इकलिप्स कहा जाता है। 2 अक्टूबर को लगने वाले सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। यह वलयाकार सूर्य ग्रहण दक्षिण अमेरिका महाद्वीप और प्रशांत महासागर में दिखाई देगा। चंद्रमा इस दौरान सूर्य के 93 फीसदी हिस्से को कवर करेगा। आसमान में एक पूर्ण आग की रिंग 7 मिनट 25 सेकंड का होगा। अर्जेंटीना और चिली के कुछ जगहों पर इस सूर्य ग्रहण को देखा जा सकता है। महाद्वीप के बाकी हिस्सों में यह आंशिक रूप से दिखाई देगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भविष्य में बीजेपी के साथ जाने का कोई औचित्य नहीं: दुष्यंत चौटाला

-जेजेपी के साथ मिलकर कांग्रेस राज्यसभा में उतारे उम्मीदवार, हम देंगे साथ

चंडीगढ़। (एजेंसी)

हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री और जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दुष्यंत चौटाला बीजेपी के साथ हुए गठबंधन को लेकर खुलकर बोले उन्होंने कहा है कि जेजेपी को बीजेपी के साथ गठबंधन करके भारी नुकसान हुआ है। दुष्यंत ने कहा कि भविष्य में बीजेपी के साथ जाने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता में बीजेपी के प्रति भारी रोष था, जिसका खमियाजा जेजेपी को उठाना पड़ा। हरियाणा में राज्यसभा की एक सीट पर होने वाले चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी मिलकर खेल रहे हैं। अगर कांग्रेस वाकई बीजेपी को टक्कर देना चाहती है तो सांझा सामाजिक राज्यसभा उम्मीदवार उतारे, हम साथ देने को तैयार हैं। कांग्रेस पहले ही मैदान छोड़ रही है, भूपेंद्र हुड्डा की ओर से नंबर न होने की बात कहना बीजेपी के साथ मैच फिक्सिंग जैसा दिखता है। कांग्रेस किसी भी सामाजिक व्यक्ति या किसी खिलाड़ी को राज्यसभा में भेजे, विपक्ष पूरी तरह से एकजुट होगा। भविष्य की रणनीति पर दुष्यंत ने कहा कि 5 जुलाई से जेजेपी की ओर से जिलास्तर पर बैठकें की जाएंगी। सभी 22 जिलों में कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेकर विधानसभा चुनाव की तैयारी की जाएगी। जेजेपी प्रदेश की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगी। लोकसभा में चुनाव का नारा मोदी हराओ या मोदी जिताओ था, लेकिन विधानसभा में परिणाम इसके उलट होंगे। हरियाणा में लगातार बढ़ रही आपरा के मुद्दे पर नायब सैनी सरकार को घेरते हुए दुष्यंत ने कहा कि पिछले एक सप्ताह में हत्या, लूट जैसी अनेक आपराधिक घटनाएं हुईं, जो 20 साल में एक सप्ताह में कभी नहीं हुई। सीएम नायब सैनी को गृह विभाग छोड़कर किसी अन्य मंत्री को देना चाहिए। वहीं, राज्यसभा चुनाव के लिए संयुक्त उम्मीरवार उतारे जाने को लेकर दुष्यंत के बयान पर नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इस चुनाव

को लेकर कांग्रेस का स्टैंड साफ है। वे 14 विधायक एकत्र करके दें, कांग्रेस के सभी विधायक निर्दलीय उम्मीदवार को वोट देकर राज्यसभा पहुंचाएंगे। हुड्डा ने दुष्यंत का नाम लिए बिना कहा कि चाहें तो वह अपने प्रत्याशी उतार दें, लेकिन बीजेपी के खिलाफ अगर उनकी नियत है तो 14 विधायक एकजुट करें। अलग-अलग बयानों के बजाय विधायकों को एकजुट करने में अपनी ऊर्जा लगाएं ताकि बीजेपी को हरा सकें।

संक्षिप्त समाचार

स्पीकर पर भड़की प्रियंका गांधी बोलीं- क्या विपक्ष की आवाज दबाने के लिए होगा संविधान का विरोध

नई दिल्ली। संसद सत्र के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों को असंसदीय और असंवैधानिक नारे लगाने से नहीं रोका गया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सवाल उठाए और पूछा कि क्या संसद में जय संविधान नहीं कहा जा सकता। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा, क्या भारतीय संसद में जय संविधान का नारा नहीं लगाया जा सकता? क्या भारत की संसद में जय संविधान नहीं बोला जा सकता? संसद में सत्ता पक्ष के लोगों को असंसदीय और असंवैधानिक नारे लगाने से नहीं रोका गया, लेकिन विपक्षी सांसद के जय संविधान बोलने पर आपत्ति जताई गई। सत्ता में बैठे लोगों को संसद में असंसदीय और असंवैधानिक नारे लगाने से नहीं रोका गया, लेकिन जब एक विपक्षी सांसद ने जय संविधान का नारा लगाया। चुनाव के दौरान उभरी संविधान विरोधी भावना ने अब एक नया रूप ले लिया है, जो हमारे संविधान को कमजोर करना चाहता है। उन्होंने आगे लिखा, जिस संविधान की तरफ से संसद चलती है, जिस संविधान के द्वारा प्रत्येक सदस्य शपथ लेता है, जिस संविधान के द्वारा प्रत्येक नागरिक को जीवन और आजीविका की सुरक्षा मिलती है, क्या अब विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए उसी संविधान का विरोध किया जाएगा? दरअसल चुने गए नए सांसदों के शपथ ग्रहण के दौरान ज्यादातर विपक्षी सांसदों ने 'जय संविधान' के नारे लगाए गए थे इनके साथ ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने भी शपथ के बाद 'जय संविधान' कहा, इस बात पर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने शशि थरूर का साथ दिया और सदन में खड़े होकर कहा कि इस पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए, लेकिन स्पीकर ओम बिरला भड़क गए।

जेवर एयरपोर्ट निर्माण में देरी, भड़की यमुना अथॉरिटी....मांग लिया स्पष्टीकरण

ग्रेटर नोएडा । दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य चल रहा है। जहां जेवर एयरपोर्ट के निर्माण कार्य में देरी की वजह से 6 महीने बाद उड़ने भरी जाएगी। इससे यमुना अथॉरिटी ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। यमुना अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरुण वीर सिंह ने घोषणा पर पलटवार कर कहा कि यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने बिना पूछताछ किए ही बयान जारी किया है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी सिंह ने इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड से इस पर स्पष्टीकरण मांगा है कि बिना किसी चर्चा के समय सीमा बढ़ाने की घोषणा कैसे की गई। इसके साथ ही आ रही समस्याओं की जानकारी यमुना अथॉरिटी को क्यों नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि जो समस्याएं आ रही हैं, उनके पीछे की वजह यह है कि निर्माण कार्य की सामग्री मिलने में समय लग रहा है। विशेष तौर पर स्टील फेब्रिकेशन में सबसे ज्यादा दिक्कत आ रही हैं। टाटा प्रोजेक्ट को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन मानकों के अनुरूप कुछ विशिष्ट स्टील सामग्री विदेश से आयात करनी पड़ रही है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर सिंह ने बताया कि अभी हमारे पास 3 महीने का समय है। हमारी पूरी कोशिश होगी की दिसंबर से पहले उड़ानें शुरू हो जाएं। राज्य सरकार इसके लिए हर आवश्यक कदम उठा रही हैं। उन्होंने बताया कि अधिकतर काम पूरा हो चुका है। रनवे, सड़क और ट्रैफिक कंट्रोल टावर और महत्वपूर्ण संरचनाएं पूरी तरह से बनकर तैयार हो गई हैं।

पांच आतंकी आकाओं की करोड़ों की संपत्ति जब्त

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर की बारामूला कोर्ट की ओर से पारित कुर्की के आदेश के बाद बारामूला पुलिस ने पाकिस्तान स्थित पांच आतंकी आकाओं की करोड़ों की संपत्ति जब्त कर ली है। पुलिस ने बशीर अहमद गनी, मेहराज उद दीन लोन, गुलाम मोहम्मद याटू, एबी रहमान भट, एबी राशिद लोन के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि बारामूला में अतिरिक्त सत्र न्यायालय के आदेश के बाद पाकिस्तान के आतंकी आकाओं की करोड़ों रुपये की 9 कनाल भूमि जब्त की गई है। यह कार्रवाई सीआरपीसी 83 की धाराओं के तहत की गई है जिसका संबंध केस संख्या 04/2008 धारा 2/3 ईआईएमसीओ अधिनियम, 7/25 भारतीय शस्त्र अधिनियम, 13 यूए (पी) अधिनियम के तहत पीएस क्रीरी के मामले से जुड़ी हुई है। पुलिस की जांच और पूछताछ के दौरान इस बात का खुलासा हुआ कि ये यह संपत्ति आतंकी संचालकों की है। यह अभियान आतंकी गतिविधियों से निपटने के लिए पुलिस की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 12 जून को बारामूला पुलिस ने आठ आतंकी संचालकों को भगोड़ा घोषित किया था और इससे चार दिन पहले पाकिस्तान में मौजूद दो आतंकी संचालकों की बारामूला में मौजूद संपत्ति जब्त की गई थी।

आज लोकसभा में छाया रहा नीट मामला, विपक्ष ने किया हंगामा

-कांग्रेस का आरोप राहुल गांधी का माइक किया बंद, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा में शुक्रवार को नीट पेपर लीक का छाया रहा इसको लेकर मुद्दे को लेकर संसद में भारी हंगामा हुआ। इस बीच कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि लोकसभा में नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग करने के दौरान राहुल गांधी का माइक बंद कर दिया गया।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि जहां एक ओर पीएम नरेंद्र मोदी नीट पर कुछ नहीं बोल रहे और इस मामले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी युवाओं की आवाज सदन में उठा रहे हैं। लेकिन, ऐसे गंभीर मुद्दे पर माइक बंद करने जैसी ओछी हरकत कर युवाओं की आवाज को दबाने की साजिश की जा रही है।

कांग्रेस ने जो वीडिया शेयर किया उसमें देखा जा सकता है कि राहुल गांधी लोकसभा में अपनी बात कह रहे थे कि अचानक उनका माइक बंद हो गया और फिर आवाज नहीं आई। जिसके बाद विपक्षी दलों के नेता माइक-माइक बोलने लगे। इस पर स्पीकर कहते हैं कि मैं माइक बंद नहीं करता हूं, पूर्व में आपको व्यवस्था दी गई थी।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान स्थगन प्रस्ताव के नोटिस नहीं लिए जाते। उन्होंने राहुल गांधी से संसदीय व्यवस्था का पालन करने का आग्रह किया और कहा कि आप विपक्ष के नेता हैं इसलिए आप संसदीय व्यवस्था का पालन करेंगे, ऐसी आपसे अपेक्षा है। इस पर राहुल गांधी कहते हैं कि हम विपक्ष और सरकार की ओर से हिंदुस्तान के छात्रों को एक संयुक्त संदेश देना चाहते थे कि हम इस मुद्दे को जरूरी मानते हैं।

इसलिए, हमने सोचा कि छात्रों के सम्मान के लिए हम आज नीट पर चर्चा करेंगे।

इसके बाद राहुल गांधी के माइक से आवाज आना बंद हो गई, जिसको लेकर विपक्षी नेता हंगामा करने लगे। इससे पहले, विपक्षी दलों के हंगामे के कारण शुक्रवार को सुबह 11 बजे शुरू हुई लोकसभा की कार्यवाही थोड़ी देर बाद ही 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। 12 बजे फिर से लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो नीट मामले में हंगामे के बाद कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

फिरोजाबाद में बन रहे अंतरिक्ष यात्रियों के लिए पैराशूट.....भारत में पहली बार

-गगनयान मिशन के लिए होगा इनका इस्तेमाल

फिरोजाबाद । (एजेंसी)

भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो द्वारा गगनयान मिशन की तैयारी हो रही है, जिसके लिए फिरोजाबाद में आयुध उपस्कर निर्माणी द्वारा हाई तकनीकी वाले पैराशूट तैयार किया जा रहे हैं, जो गगनयान मिशन को पूरा करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों की पृथ्वी पर सॉफ्ट लैंडिंग कराएंगे। यह पैराशूट एकदम सुरक्षित है। इससे पृथ्वी पर लैंडिंग करने में न केवल मदद मिलेगी। बल्कि कोई जनहानि भी नहीं होगी। फिरोजाबाद में तैयार हो रहे इन पैराशूट को जल्द ही इसरो को सौंपा जाएगा। यह पैराशूट नायलॉन टेक्नोलॉजी से तैयार हो रहा है। आयुध उपस्कर निर्माणी के एक अधिकारी बताया कि इसरो द्वारा शुरू किया जा रहे गगनयान मिशन के लिए हाई टेक्नोलॉजी के साथ पैराशूट बनाए जा रहे हैं। अभी तक भारत में इस तरह के पैराशूट का किसी भी मिशन में इस्तेमाल नहीं किया है।

पृथ्वी के वातावरण में आने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों की लैंडिंग फिरोजाबाद में बनने वाले इन पैराशूट के जरिए होगी। अभी तक तैयार होने वाले सभी पैराशूटस में सबसे उच्च कोटि के यह पैराशूटस तैयार किए जा रहे हैं। पैराशूट के बनने के बाद उनकी क्वालिटी को तीन एजेंसियां चेक करेंगी। जिसमें सबसे पहले हमारी इंटर्नल चेक करेगी। उसके बाद डीआरडीओ की शाखा एआरडीओ आगरा द्वारा चेक होगा और फिर अंतिम में इसरो टीम द्वारा पैराशूटस को चेक किया जाएगा। यहां 14 पैराशूट सेट बना रहे हैं, हर सेट में 8 पैराशूट होते हैं और यह सभी फिरोजाबाद में ही बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सभी पैराशूट अगले 3 महीने में बनाकर इसरो को दे दिए जाएंगे। इन पैराशूटस को स्पेस रीएंट्री पैराशूट के नाम से जाना जाता है। यह इंडिया में पहली बार बन रहे हैं। निदेशक ने बताया कि अंतरिक्ष से जो कैप्सूल नीचे आता है वह हाई स्पीड से आता है, जिसके घर्षण के कारण उसमें हीट जनरेट होती है।

जलभराव के बाद सड़क पर भाजपा पार्षद ने चलाई नाव, सरकार पर लगाए आरोप

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार तड़के मूसलाधार बारिश से कई इलाके डूब गए। सड़कें तालाब बनी गई और इससे सड़क और वायु यातायात प्रभावित हुआ है। वहीं दिल्ली बीजेपी के पार्षद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें रविंद्र सिंह नेगी सड़क पर पानी में नाव चलाते नजर आ रहे हैं। पार्षद नेगी ने दिल्ली में जलभराव को लेकर कहा कि पीडब्ल्यूडी का नाला ओवरफ्लो है। दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने मानसून से पहले नालों की सफाई नहीं करवाई। हम सदन में बार-बार इस मुद्दे को उठाते रहे हैं, लेकिन आप सरकार को शर्म तक नहीं आती। दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी की सरकार है। दिल्ली के लोग बेहाल हैं, विनोद नगर पूरा डूब गया है लेकिन इनके कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। बता दें कि दिल्ली-एनसीआर में बारिश लोगों के लिए राहत के साथ ही आफत बन गई है। भारी बारिश के बाद सड़कें तालाब की तरह नजर आ रही हैं। वहीं दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल-1 पर पार्किंग की छत गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है जबकि चार लोग

घायल हो गए हैं। बारिश के बाद दिल्ली और आसपास के कई इलाकों में पानी भर गया है। सफदरजंग में आज सुबह 8-30 बजे तक 228.1 मिमी बारिश दर्ज की गई।

उत्तराखंड सरकार ने 'ग्लेशियर झीलों के लिए एहतियाती कदम उठाने का लिया निर्णय

देहरादून। (एजेंसी)

'ग्लेशियर झील से उत्पन्न तबाही से सबक लेते हुए उत्तराखंड सरकार ने चिन्हित ऐसी 13 'ग्लेशियर झीलों के लिए एहतियाती कदम उठाने का निर्णय लिया है जो आने वाले समय में बड़ा खतरा बन सकती हैं। उत्तराखंड के आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा ने बताया कि उपग्रह से मिले चित्रों के आधार पर प्रथम चरण में पांच सबसे खतरनाक झीलों के लिए जल्द ही विशेषज्ञों की टीम भेजी जाएंगी जो उनसे होने वाले खतरे के बारे में पूरा वैज्ञानिक अध्ययन करेंगी। रंजीत सिन्हा ने कहा,''इन झीलों के लिए हम 'एक्सपेडिशन भेज रहे हैं जिनकी रिपोर्ट के आधार पर वहां पूर्व चेतावनी प्रणाली सहित खतरे को कम करने के उपाय किए जाएंगे। हम झील से खतरे के बारे में पूरा अध्ययन करेंगे और फिर कार्रवाई करेंगे। सिन्हा ने बताया कि दो विशेषज्ञ टीम बनाई गई हैं जिनमें से एक की अगुवाई भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) तथा दूसरे की अगुवाई सी-डैक कर रहा है। उनके अनुसार इन टीम में वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान जैसे तकनीकी एजेंसियों

तथा भारत तिब्बत सीमा पुलिस, राज्य आपदा प्रतिवादन बल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल जैसे अर्धसैनिक बल तथा उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारी होंगे।

इन पांच 'ग्लेशियल झीलों में से चार पिथौरागढ़ जिले में हैं जबकि एक अन्य चमोली जिले में है। सचिव ने बताया कि चमोली जिले की वसुधारा झील और पिथौरागढ़ जिले की मबान झील के अलावा अन्य झीलें अनाम हैं। उन्होंने बताया कि इन अनाम झीलों के नामकरण की प्रक्रिया चल रही है। सिन्हा ने बताया कि वसुधारा झील के लिए भेजी जाने वाली टीम को मंजूरी मिल चुकी है और वह दो जुलाई को रवाना होगी।

नीट को खत्म कर पुरानी परीक्षा प्रणाली को बहाल किया जाए

- बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर किया आग्रह

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आज पीएम मोदी को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के संबंध में एक पत्र लिखा है। सीएम ममता ने पीएम मोदी से नीट को खत्म करने और राज्य सरकारों द्वारा इस परीक्षा को आयोजित करने की पिछली प्रणाली को बहाल करने का आग्रह किया है। ममता ने पत्र में लिखा कि मैं नीट से जुड़े हाल के घटनाक्रमों के बारे में आपको लिखने के लिए बाध्य हूं। पेपर लीक के आरोप, कुछ लोगों और परीक्षाओं के संचालन में शामिल अधिकारियों द्वारा रिश्वत लेना, छात्रों को परीक्षा के लिए आवेदन करने के लिए इजाजत देना, ग्रेस मार्क्स आदि कुछ गंभीर मुद्दे हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत है और इसकी साफ और निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। सीएम ममता ने आगे लिखा कि ऐसे मामले उन लाखों छात्रों के करियर और आकांक्षाओं को खतरे में डालते हैं जो मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश की उम्मीद करते हैं। उन्होंने लिखा कि ऐसे मामले न केवल देश में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता करते हैं, बल्कि देश में चिकित्सा सुविधाओं और इलाज की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर डालते हैं।

ममता ने आगे लिखा कि यह भी बताना जरूरी है कि 2017 से पहले राज्यों को अपनी प्रवेश परीक्षा आयोजित करने की इजाजत थी और केंद्र सरकार भी मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अपनी परीक्षाएं आयोजित करती थी। यह प्रणाली सुचारू रूप से और बिना किसी समस्या के काम कर रही थी। यह क्षेत्रीय पाठ्यक्रम और शैक्षिक मानकों के लिए बेहतर था।

राज्य सरकार आमतौर पर शिक्षा और इंटर्नशिप पर प्रति डॉक्टर 50 लाख रुपए से ज्यादा खर्च करती है। इसलिए, राज्य को संयुक्त प्रवेश परीक्षा के जरिए से मेडिकल छात्रों का चयन करने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए।

यूपी सरकार ने किया मेडिकल सीट लीविंग बॉन्ड पॉलिसी को खत्म

अगले साल फिर से दाखिला लेने पर रोक रहेगी बरकरार

लखनऊ। (एजेंसी)

यूपी के मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई कर रहे हैं या करने जाने वालों के लिए एक अच्छी खबर आई है। अब योगी सरकार ने उत्तरप्रदेश में मेडिकल सीट लीविंग बॉन्ड पॉलिसी को खत्म करने का फैसला लिया है। ये एमबीबीएस, बीडीएस या पीजी मेडिकल कोर्स करने वालों के लिए किसी बड़े बदलाव से कम नहीं, जिसका इंतजार वह सालों से करते थे।

अगर आप मेडिकल की सीट छोड़ते, यानी किसी भी कारण से पढ़ाई बीच में छोड़ते हैं तो आपको उस कॉलेज को एक मोटी रकम जुर्माने के तौर पर देनी पड़ती थी जहां से आप पढ़ाई कर रहे होते थे। एमबीबीएस, बीडीएस के लिए यूपी सरकार मेडिकल कॉलेजों में एक लाख रुपए और निजी मेडिकल कॉलेजों में पूरी फीस देनी पड़ती थी। जबकि पीजी की सीट छोड़ने पर पांच लाख रुपए का जुर्माना देना होता था। अब यूपी की योगी सरकार ने मेडिकल की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले छात्रों पर लगाया जाने वाला जुर्माना हटा दिया है लेकिन, अगले साल फिर से दाखिला लेने पर रोक बरकरार रहेगी। हालांकि, इस बड़े फैसले के साथ ही मेडिकल सीट लिविंग बॉन्ड भरवाने का नियम खत्म करने वाला यूपी दूसरा राज्य बन गया है। इससे पहले मध्यप्रदेश ऐसा फैसला कर चुका है। मेडिकल एजुकेशन महानिदेशक, किंजल सिंह ने बताया कि एमबीबीएस कोर्स छोड़ने वाले छात्र पहले से ही बहुत दबाव में होते हैं क्योंकि वे एक सुनहरा करियर छोड़ रहे होते हैं। वे ऐसा अंतिम विकल्प के रूप में करते हैं और उनके पास वाजिब कारण होते हैं, जिनमें आर्थिक कारण भी शामिल हैं। ऐसी स्थिति में, सरकार ने सोचा कि उनसे जुर्माने के रूप में पैसे लेना सही फैसला नहीं है। इसलिए जुर्माने के वित्तीय हिस्से को खत्म कर दिया है। किंजल ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के साथ बातचीत के आधार पर एक प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने कहा कि जुर्माने का दूसरा हिस्सा वही रहेगा जहां एक उम्मीदवार को अगले साल नीट एग्जाम और काउंसलिंग में भाग लेने से रोक दिया जाएगा।

सिंह ने कहा कि हम यूपी में एमबीबीएस सीट्स और कॉलेजों की संख्या बढ़ा रहे हैं। हमारा ध्यान ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवारों को डॉक्टर बनने में मदद करना है। इसलिए, छात्रों के हित में सीट छोड़ने के बॉन्ड में उल्लिखित वित्तीय दंड को खत्म करने का निर्णय लिया गया है लेकिन यहां पैसा महत्वपूर्ण नहीं है ऐसे में, हमें उम्मीदवार के साथ सहानुभूति रखने की जरूरत है, इस फैसले को ध्यान में रखते हुए कि वे अपना पूरा करियर दांव पर लगा

रहे हैं। यूपी में वर्तमान में 60 से ज्यादा मेडिकल कॉलेजों में 9278 एमबीबीएस और 2070 बीडीएस सीटें हैं। एक दर्जन से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेजों के 2024 नीट काउंसलिंग में शामिल होने की उम्मीद है। यूपी में एमबीबीएस सीटों की संख्या 10,000 से ज्यादा होने की उम्मीद है।

मप्र में अब पेपर लीक किया तो भरना होगा 1 करोड़ का जुर्माना, होगी 10 साल की सजा

भोपाल।

पेपर लीक मामलों को रोकने के लिए सरकारें नए नए नियम कानून लेकर आ रहे है। मध्य प्रदेश सरकार ने भी इसके लिए पहल की है।

प्रदेश की मोहन सरकार पेपर लीक करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बना रही है। पेपर लीक करने वालों पर सरकार एक तरफ एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाए, तो दूसरी तरफ 10 साल के लिए जेल भी भेजेगी। सरकार इसका अध्यादेश जल्द लागू कर सकती है। इस मामले में हर तरह की परीक्षा का पेपर लीक करना गंभीर अपराध माना जाएगा। इस कानून के जरिये व्यक्ति, सर्विस प्रोवाइडर, कंपनी और परीक्षा केंद्र, सभी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इनमें से जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सरकार इस कानून के तहत कार्रवाई करेगी।

जानकारी के मुताबिक, पेपर लीक में लिप्त शख्स की संपत्ति भी सरकार अटैच कर लेगी। इसक एक्ट का प्रारूप करीब-करीब फाइनल है। अब इसे जांच के लिए विधि विभाग को भेजा गया है। कानून के मुताबिक, इस मामले में किसी भी तरह की गड़बड़ी में जमानत नहीं मिलेगी यानी यह गैर जमानती अपराध होगा। इसमें अगर संगठित अपराध सिद्ध हो जाता है तो दोषियों पर जुर्माना और सजा दोनों ज्यादा से ज्यादा होंगे। परीक्षा में होने वाला खर्च दोषियों से वसूला जाएगा। दोषियों की संपत्ति को जब्त किया जाएगा। सबसे खास बात यह है कि, पेपर लीक मामले की जांच या तो असिस्टेंट कमिश्नर करेगा या डीएसपी। इससे नीचे का अधिकारी यह जांच नहीं करेगा। सरकार एसआईटी बनाकर या किसी दूसरी जांच एजेंसी से जांच करवा सकती है। इस कानून की सबसे बड़ा गाज सर्विस प्रोवाइडर पर गिरेगी। सर्विस प्रोवाइडर वह होगा जो कंप्यूटर और बाकी सिस्टम परीक्षा केंद्र को सौंपेगा। सर्विस प्रोवाइडर परीक्षा केंद्र अपनी मर्जी से नहीं बदल सकेंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बृजवासियों ने कथावाचक प्रदीप मिश्रा को किया मृत्य घोषित

मथुरा। श्री कृष्ण जन्म भूमि संघर्ष न्यास की बैठक माधव मंदिर में आयोजित हुई जिसमें बृजवासियों, एवं न्यास के पदाधिकारी ने प्रदीप मिश्रा को राधा रानी पर दिए गए वक्तव्य पर अब तक ब्रज में आकर माफी ना मांगने, गहरा रोष प्रकट करते हुए उन्हें मृत्य घोषित करते हुए 30 जून रविवार , को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करने का ऐलान किया है श्री कृष्ण जन्मभूमि ईदगाह मामले के मुख्य हिंदू पक्ष कार दिनेश शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बृज देवालय न्यास, हिंदू महासभा, ब्रजभूमि कल्याण परिषद,अन्य हिंदू संगठनों ने महापंचायत का आयोजन किया भारी संख्या में बृजवासी उपस्थित हुए उन्हें तीन दिन का माफी मांगने का समय दिया गया फिर भी अपने अभियान में चूर प्रदीप मिश्रा ने कोई संतोष पूर्ण ना हीं जवाब दिया ना ही ब्रज में आकर माफी मांगी जिससे सभी बृजवासियों का हृदय आघात हुआ है अब हम निर्णायक आंदोलन कर ऐसे राधा रानी एवं ब्रज विरोधी व्यक्ति को मृत घोषित कर 30 जून को विशाल श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर तिलांजलि दी जाएगी कार्यक्रम संयोजक पं राजेश पाठक, पं बिहारी लाल वशिष्ठ, महानगर अध्यक्ष ठा नरेश सिंह राजावत, आचार्य रामविलास चतुवेर्दी, महामंत्री राहुल गौतम, ने अपने संबोधनों में प्रदीप मिश्रा को कालनेमि की संज्ञा दी उन्होंने कहा कि राधा रानी बृजवासियों की प्राण वायु है उनके प्रति अपशब्द कहना वैदिक सनातन परंपरा में इससे बड़ा अपराध कोई नहीं है , आज समस्त बृजवासी, प्रदीप मिश्रा जैसे लोगों के खिलाफ, आवाज बुलंद कर रहा है राष्ट्रीय मंत्री मांडवी मिश्रा ने कहा कि जो राधा रानी का नहीं वह हमारा नहीं बृजवासी के प्राण है राधा रानी इस अवसर पर सभी से 30 जून के कार्यक्रम की सफलता के लिए निवेदन किया गया

संक्षिप्त डायरी

कुमार स्वामी के अनुयायियों ने पुलिस से की शिकायत

मथुरा। ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी के भगवान श्री कृष्ण पर आपत्ति जनक दिए बयान का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद मथुरा वृंदावन में आक्रोश है। वायरल वीडियो की जानकारी मिलने पर ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी के अनुयाई वृंदावन पहुंचे और पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए मामले में जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की। वीडियो वायरल होने के बाद आ रहे शिष्यों के मीडिया पर ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें उनके द्वारा भगवान श्री कृष्ण के चरित्र को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया है। वीडियो के वायरल होने के बाद मथुरा वृंदावन के लोगों मे गुस्सा है। वहीं ब्रह्म ऋषि कुमार स्वामी के शिष्य उनके अनुयायियों से फोन कर मामले की जानकारी कर रहे हैं। ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी के शिष्यों का कहना है कि उनके गुरु के खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है। दुष्प्रचार रोकने के लिए की शिकायत वृंदावन कोतवाली पहुंचे ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी के लक्ष्मी नारायण धाम दिल्ली के जनरल मैनेजर जे एस पाटोदिया ने बताया-जो दुष्प्रचार हो रहा है उसे रोकने के लिए वह यहां आए हैं। शिकायत में दुष्प्रचार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। यह सब षडयंत्र है कोई ऐसा है जो यह चाहता है कि उनके गुरु की छवि खराब हो।

वृंदावन के गीता शोध संस्थान में हुई कार्यशाला, ब्रज वन के रूप में सजाया

मथुरा। गया मंचउत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अंतर्गत गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी वृंदावन ने भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ और एन के ग्रुप वृंदावन के सहयोग से एक माह की रासलीला कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के अंतिम दिन प्रशिक्षित बच्चों ने गोपी गीत का मंचन कर अपनी अभिनय कला का परिचय दिया। गोपी गीत के मंचन के लिए स्व. छैल बिहारी उपाध्याय ₹छैलर₹ की लिखित पुस्तक से पद चयनित किए गए। दीप प्रज्वलन से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ रासलीला का मंचन गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी परिसर स्थित ओपन एयर थिएटर(मुक्ताकाशीय रंग मंच) पर किया गया। मंचन कार्यशाला में 35 बालक- बालिकाओं ने भाग लिया। मंचन की शुरूआत उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एसबी सिंह ने दीप प्रज्वलन कर की। इस दौरान ब्रज तीर्थ विकास परिषद के पर्यावरण विशेषज्ञ मुकेश शर्मा, तकनीकी विशेषज्ञ आर के जैसवाल, ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डॉ. उमेश चंद्र शर्मा, संस्थान के निदेशक दिनेश खन्ना, सहायक इंजीनियर आरपी यादव, साहित्यकार कपिल देव उपाध्याय, समाजसेवी मंच को ब्रज वन के रूप में सजाया गया था। बच्चों ने भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय से आईं डा मीरा दीक्षित के निर्देशन में कथक नृत्य किया। मंच का निर्देशन गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के निदेशक प्रो दिनेश खन्ना ने किया। आलेख डा उमेश चंद्र शर्मा ने लिखा। संयोजन और संचालन संस्थान के समन्वयक चन्द्र प्रताप सिंह सिकरवार ने किया। उन्होंने एन के ग्रुप और भातखण्डे विवि की कुलपति का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।एन के ग्रुप की ओर से साहित्यकार कपिल देव उपाध्याय ने स्क्रिप्ट तैयार कराने में मदद की। मंचन व प्रशिक्षण में हारमोनियम पर आकाश शर्मा, तबला एवं पखावज पर सुनील कुमार पाठक, सारंगी पर मनमोहन कौशिक, गायन में धनंजय शर्मा एवं वंशी पर दीनानाथ चरण दास तथा थ्योरी,स्क्रिप्ट पर जगदीश प्रकाश पथसारिया ने प्रशिक्षण दिया। लखनऊ व आजमगढ़ से आये सुग्रीव, रणधीर व प्रशांत ने मंच सजाया। रितु सिंह ने वस्त्र विन्यास किया। अग्रवाल, ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सत्यवान शर्मा आदि उपस्थित रहे। इस उपलक्ष्य में कार्यशाला व मंचन की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

आगरा में हाईवे से सटी कॉलोनी में भरा पानी

आगरा । खोलकर रख दी है। कस्बे के मैन हाईवे पर जलभराव के कारण हाईवे से सटी दुबे कॉलोनी पूरी तरह जलमग्न हो गई है। जलभराव होने से समस्या इतनी विकट हो गई है कि लोगों का निकलना तो छोड़िए, दरवाजा खोलना भी दूभर हो गया है। कई इलाकों में घरों के अंदर पानी घुस गया है। इसके अलावा रेलवे की गेट संख्या 58 पर बने अंडरपास में अधिक जलभराव होने की वजह से, कई गांवों का संपर्क टूट गया है। जिससे लोगों को काफी समस्या हो रही है। वहीं हाईवे के नजदीक ही सब्जी मंडी स्थल होने की वजह से दुकानों के सामने पानी जमा हो गया है। दुकानदारों का कहना है कि उनकी दुकानों में पानी घुसने से सामान खराब होने का खतरा भी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएचएआई द्वारा नालों की सफाई नियमित रूप से नहीं कराई जाती है। जिसके कारण बारिश का पानी जमा हो जाता है। जब समस्या होती है, तब भी एनएचएआई से कोई भी कर्मचारी देखने तक नहीं आता है। उन्होंने कई बार शिकायत की है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला है। लोग एनएचएआई की लापरवाही से काफी नाराज हैं। बता दें कि, हाईवे पर ढलान होने की वजह से पूरा पानी कॉलोनी के अंदर भर जाता है। क्योंकि एनएचएआई द्वारा नालों की सफाई और देखरेख नहीं की गई है। इस समस्या का परमानेंट समाधान आज तक नहीं हो पाया है। रेलवे विभाग की मनमानी से ग्रामीणों का आवागमन बंद हर साल मानसून के समय रेलवे के गेट संख्या 58 पर बने अंडरपास में मानक से ज्यादा जलभराव हो गया है। जिससे कई दर्जन गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है। ग्रामीण घरों से निकलने तक को मजबूर हो गए हैं।

बेटे के साथ सेल्फी ली, स्टेटस लगाया फिर पत्नी-पत्नी का सुसाइड

आगरा। में पति-पत्नी ने सुसाइड कर लिया। मरने से पहले 2 साल के बेटे के साथ सेल्फी ली। वॉट्सऐप पर स्टेटस लगाया। फिर पंखा उतारकर हुक से रस्सी बांधी और दोनों लटक गए। सुबह दोनों काफी देर तक नहीं उठे, तो घर वालों ने दरवाजा खटखटाया। कोई रिस्पॉन्स नहीं मिलने पर खिड़की से झांक कर देखा तो दोनों के शव फंदे से लटक रहे थे। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना शुक्रवार सुबह 5 बजे की है।थाना खेड़ा राठौर के नंदगांव निवासी सुरजीत (29) की निबोहरा की रहने वाली राधा (24) से 4 चार पहले शादी हुई थी। दोनों को 2 साल का बेटा है। सुरजीत गाड़ी चलाता था। परिजनों से अलग पत्नी के साथ रहता था। उसका बगल में दूसरा घर है। वहां उसके परिजन रहते हैं।घरवालों ने बताया- सुरजीत सुबह उठकर दूसरे घर आ जाता था, लेकिन शुक्रवार को सुबह 8 बजे तक नहीं आया। हम लोग उसे जगाने पहुंचे। घर का दरवाजा अंदर से बंद था। खटखटाने पर भी नहीं खुला। खिड़की से झांक कर देखा तो दोनों फंखे के हुक से लटक रहे थे।रड खेड़ा राठौर रोहतास सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ और कहा जा सकता है। प्रथम दृष्ट्या सुसाइड का मामला लग रहा है। पुलिस इस एंगल पर जांच कर रही है कि पत्नी को मारने के बाद सुरजीत ने सुसाइड किया। हालांकि, पत्नी के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। सुरजीत की दूसरी शादी थी पुलिस पूछताछ में पता चला कि सुरजीत की ये दूसरी शादी थी। पहली पत्नी विवाद के बाद छोड़कर चली गई थी। सुरजीत काफी कम बोलता था। लोगों का कहना है कि वो बहुत सीधा था। अपने काम से काम रखता था। पता नहीं उसने ऐसा कैसे कर लिया। दोस्त से कहा था- कुछ कर लूंगा
पुलिस को पता चला है कि सुरजीत कुछ दिनों से परेशान था।

चेन स्नेचर को दौड़ाकर मारी गोली देर रात पुलिस के साथ हुई मुठभेड़

आगरा। के थाना ताजगंज में बाइक सवार बदमाशों ने चलती स्कूटी से महिला की चेन तोड़ ली थी। पुलिस ने चेन तोड़ने वाले एक बदमाश को गुरुवार सुबह गिरफ्तार किया था। वहीं, दूसरा बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगी है। घायल अवस्था में उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ताजगंज के पचगाई खेड़ा में शमसाबाद से आ रही स्कूटी सवार महिला के गले से बाइक सवार दो बदमाशों ने सोने की चेन तोड़ ली थी। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से बदमाशों की पहचान की। एक बदमाश गोपाल गोस्वामी को एसओजी ने बुधवार शाम को मिढाकुर गांव से गिरफ्तार किया था। इस पर पहले से 16 मुकदमे दर्ज थे। जबकि इसके साथी को पुलिस ने रिंग रोड पर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पकडे. गए बदमाश का नाम मनीष निवासी मिढाकुर है। उसके बाए पैर में गोली लगी है। इसके पास से एक बाइक, तमंचा और लूटी गई चेन बरामद हुई है। इस पर आगरा और मथुरा में लूट के 5 मुकदमे दर्ज हैं।

गर्लफ्रेंड के पति को मार डाला नेशनल हाईवे पर दोस्त के साथ मिलकर सिर में गोली मारी

मथुरा। में प्रेमिका के पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 25 जून को आरोपी ने दोस्त के साथ मिलकर वारदात को हाईवे पर अंजाम दिया। पुलिस ने के जरिए मुख्य आरोपी नवीन को पकड़ लिया, जबकि उसका साथी पिंटू फरार है, जिसकी तलाश में दबिश जारी है। पूछताछ में बताया कि प्रेम सिंह की पत्नी से उसका अफेयर था। ये बात उसको पता चल गई थी, जिसका वो विरोध करता था। इसलिए उसे मार डाला। नवीन चला रहा था बाइक पिंटू ने मारी गोली नवीन ने बताया कि उसके मामा हरवीर और सूरजमल छाता के रहने वाले हैं। जिनके यहां उसका आना जाना लगा रहता है। वहीं से उसकी पिंटू उर्फ अमित से दोस्ती हुई थी। इसके बाद उसका संबंध प्रेम सिंह की पत्नी से हो गया था। वो बाधा बनने लगा, जिसके बाद उसको मारने का प्लान बनाया। वारदात को अंजाम देने के बाद पिंटू और नवीन फरार हो गए। पुलिस ने नवीन को हाईवे पर नरी सेमरी अंडर पास के पास से गिरफ्तार कर लिया, जबकि पिंटू की तलाश पुलिस कर रही है। नवीन के पास से पुलिस ने 315 बोर का तमंचा, 2 कारतूस और वारदात में प्रयोग की गई, बिना नंबर की बाइक बरामद की है। CCTV फुटेज आया था सामने प्रेम सिंह अपने साथी रतन सिंह के साथ काम करने के बाद बाइक से लौट रहा था।

दोस्त ने फ्रॉड किया तो कर लिया सुसाइड:पुलिस को फोन करके बोला- मरने जा रहा

आगरा । में एक युवक के सुसाइड करने का मामला सामने आया है। उसकी लाश खेत में फंदे से लटकी मिली है। उसने रात में पुलिस को फोन करके सुसाइड करने की सूचना दी थी। उसने बताया था कि वह मरने जा रहा है। उसके जेब में कागज है। उसमें मौत का कारण लिखा है। इसके बाद उसने फोन काट दिया। पुलिस सुबह जब उसे तलाशते हुए उसके गांव पहुंची, तो उसके मरने की जानकारी मिली। पुलिस ने सुसाइड नोट को जब्त कर लिया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खेड़ा राठौर थाना क्षेत्र के गोंसिली गांव में राधेश्याम अपने परिवार के साथ रहता था। उसकी पत्नी और तीन बच्चे हैं। पत्नी पूजा ने पुलिस को बताया, राधेश्याम गुरुवार सुबह करीब 11 बजे घर से निकले। वो कह कर गए थे कि दोस्त से मिलने जा रहा हूं। इसके बाद घर नहीं आए। पुलिस ने बताया, रात करीब 11 बजे 112 पर फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने कहा, राधेश्याम ने सुसाइड कर लिया है। उसकी जेब में एक कागज मिलेगा उसे निकाल लेना। उसमें सुसाइड का कारण लिखा है।

इसके बाद उसने फोन काट दिया। पुलिस ने उसे कॉल बैक किया, लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद पुलिस सुबह में उसके घर पहुंची। यहां पर राधेश्याम नहीं मिला। घरवालों ने रात भर राधेश्याम को तलाशा, लेकिन उसका पता नहीं चला।शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे

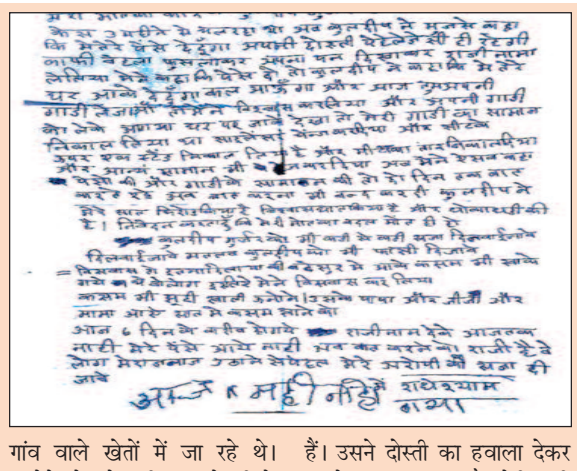

गांव वाले खेतों में जा रहे थे। उन्होंने खेत में बनी एक झोपड़ी में राधेश्याम का शव फंदे से लटका देखा। उसके बाद फौरन पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जब जांच की तो उसकी जेब से सुसाइड नोट निकला। उसमें लिखा था- ₹मेरी मौत का कारण दोस्त कुलदीप गुर्जर हैं। उसने दोस्ती का हवाला देकर मुझसे 1 लाख रुपए औए मेरी गाड़ी ले लिए थे। वापस नहीं करने पर राधेश्याम ने धौलपुर में उसके खिलाफ केस दर्ज कराया था। कुछ दिनों के बाद उसने इस केस में राधेश्याम से राजीनामा कराया लिया था।कुछ दिन बाद जब मैंने उससे रुपए मांगे, तो उसने कहा कि घर पर आकर दे जाऊंगा। मैं विश्वास करके गाड़ी ले आया। घर आकर देखा तो उसने मेरी गाड़ी का सामना निकला लिया था। साइलेंसर चेंज कर दिया। मैंने जब उससे रुपए और गाड़ी के बारे में कहा तो उसने कहा कि एक-दो दिन में बात करते हैं। अब उसने बात करना बंद कर दिया। कुलदीप ने मेरे साथ फ्रॉड किया है। निवेदन है कि मेरी मौत का बदला मौत से लिया जाए। कुलदीप को फांसी की सजा दिलाई जाए। इसने विश्वासघात किया है। बाबा बटेश्वरनाथ के मंदिर में जाकर कुलदीप उसकी बहन, पापा और मामा ने कसम खाई थी। इसलिए विश्वास करके राजीनामा दे दिया। सात दिन होने के बाद भी न मेरे पैसे आए और न ही कॉल किया। मेरा जनाजा उठाने से पहले मेरे आरोपी को सजा दी जाए।